धनबाद, बुधवार
15 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 285
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

# ट्रूथ पथ

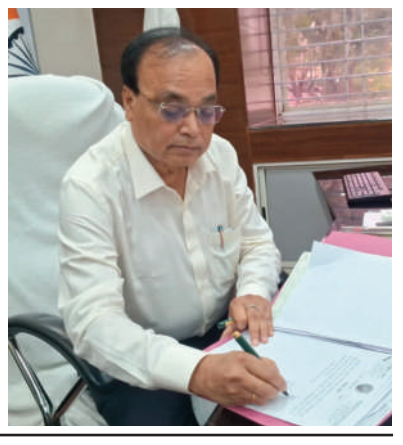

# मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व मंत्री दिवंगत मन्नान मल्लिक को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन मंगलवार को झारखंड विधानसभा पहुंचकर दिवंगत मन्नान मल्लिक जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वे लम्बे समय तक जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे, उन्होंने झारखंड, विशेषकर धनबाद की जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का काम किया। उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता को खो दिया है। उनका निधन अपूरणीय क्षति है, उनकी कमी सदैव महसूस होगी।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना ने इस दौरान पूर्व मंत्री दिवंगत मन्नान मल्लिक के शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट की तथा उनको ढांढ़स बंधाया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।मंगलवार की सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

## पूर्व मंत्री मन्नान मलिक को झारखंड विधानसभा में दी गई श्रद्धांजलि

रांची, (एजेंसी) : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री, धनबाद के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री मन्नान मलिक का आज रांची के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से राज्य के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है।

श्री मलिक वर्ष 2009 के झारखंड विधानसभा चुनाव में धनबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे। विधायक रहते हुए उन्होंने झारखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए आज अपराह्न 1:30 बजे झारखंड विधानसभा के पोर्टिको संख्या-1 में रखा गया, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा परिजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मन्नान मलिक ने लंबे समय तक जनसेवा एवं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर झारखंड, विशेषकर धनबाद की जनता की आवाज को मजबूती से उठाया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन, माननीय मंत्री श्री दीपक बिरुवा, माननीय मंत्री श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह, माननीय सदस्या श्रीमती कल्पना सोरेन, माननीय सदस्य श्री मथुरा प्रसाद, श्री मो. ताजुद्दीन, श्री नमन बिक्सल कोनगाड़ी, श्री दशरथ गगराई, श्री प्रकाश राम, माननीय सदस्या डॉ. नीरा यादव, माननीय सदस्या श्रीमती ममता देवी तथा पूर्व मंत्री श्री आलमगीर आलम ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव श्री रंजीत कुमार, विधानसभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ-साथ दिवंगत नेता के परिजनों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

## ब्रीफ न्यूज

### योगी आदित्यनाथ ने की गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कर्तव्य भवन में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों के बीच बैठक करीब 50 मिनट तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान राज्य के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। योगी आदित्यनाथ देर शाम को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गृह मंत्री अमित शाह की मुलाकात ने एक बार फिर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। इस मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर भाजपा संगठन में बड़े बदलावों की चर्चा भी तेज हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में उत्तर प्रदेश के चुनावी समर के लिए बड़ी योजना पर चर्चा की गई है। विपक्षी दलों ने हाल ही में राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। इसको लेकर पार्टी की रणनीति बनाई गई है। समाजवादी पार्टी के ह्यपीडीएह्न( पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कार्ड को काटने के लिए भी कई चेहरों को उतारने की तैयारी है। इसके साथ राज्य में अयोध्या समेत कई क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को समय से पहले पूरा करने और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस की नीति को और आक्रामक बनाया रहा है।

### भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अंतरिक्ष के लिए रवाना, रूस के सोयुज यान से भरी उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन ने मंगलवार को अपने पहले अंतरिक्ष मिशन की सफल शुरूआत की। रूस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान ने कजाखस्तान स्थित बाइकोनूर कॉस्मोड्रोम से सफल उड़ान भरी। अनिल मेनन के साथ रूसी अंतरिक्ष यात्री प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस मिशन का हिस्सा हैं। यह दल लगभग आठ महीने तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान और विभिन्न प्रयोग करेगा। अनिल मेनन भारतीय और यूक्रेनी मूल के परिवार से आते हैं। पेशे से चिकित्सक रहे मेनन को वर्ष 2021 में नासा ने अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना था।

अंतरिक्ष स्टेशन पर उनका मिशन मानव स्वास्थ्य, जैव चिकित्सा, नई प्रौद्योगिकियों और भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोगों पर केंद्रित रहेगा। यह उनका पहला अंतरिक्ष अभियान है।

## नयी दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स में झारखंड के छह जीआई टैग उत्पादों की प्रदर्शनी,मंत्री संजय यादव ने झारखंड पवेलियन का किया उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : नयी दिल्ली के भारत मंडपम में 14 जुलाई से आयोजित भारत टेक्स 2026 में उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन किया।झारखंड पैवेलियन में राज्य के छह जीआई टैग प्राप्त हस्तकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी ने झारखंड की समृद्ध वस्त्र विरासत, पारंपरिक शिल्पकला और बुनकरों की प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। जीआई टैग वाले उत्पादों में तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, टुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पंछी साड़ी एवं फैब्रिक का प्रदर्शन किया गया है।बुनकरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर उपलब्ध कराना उद्देश्य मंत्री श्री यादव ने कहा कि हमारी पहचान केवल राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि देश और दुनिया तक पहुंचनी चाहिए। झारखंड की समृद्ध हस्तकरघा और वस्त्र विरासत को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाकर हम राज्य में रोजगार के अधिक अवसर सृजित करना चाहते

हैं, ताकि हमारे युवाओं को रोजगार की तलाश में बाहर न जाना पड़े।रोजगार बढ़ेगा तो झारखंड का विकास भी नयी गति से आगे बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि भारत टेक्स 2026 झारखंड के पारंपरिक वस्त्र उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने, बुनकरों और कारीगरों को नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने तथा राज्य के वस्त्र उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है।फैशन और फैशन से वैश्विक बाजार से प्रेरित भारत टेक्स 2026 वस्त्र एवं परिधान उद्योग की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए व्यापार, निवेश, नवाचार, नीतिगत संवाद और रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख वैश्विक मंच बन चुका है। यह आयोजन भारत की वस्त्र एवं फैशन क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक नेतृत्व क्षमता, सतत विकास, तकनीकी नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नयी दिशा देने का कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में उद्योग विभाग के निदेशक विशाल सागर, अपर सचिव प्रीति सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।इस आयोजन में देश-विदेश के निमार्ता, निर्यातक, वैश्विक खरीदार, निवेशक, नीति-निमार्ता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल, स्टार्टअप, प्रौद्योगिकी प्रदाता तथा हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा क्षेत्र से जुड़े कारीगर बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

## राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन 2026 को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), झारखंड शाखा के सभापति रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा में सीपीए की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में 13 से 19 सितंबर 2026 तक केपटाउन (दक्षिण अफ्रीका) में आयोजित होने वाले 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में झारखंड से भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडल के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बताया कि सम्मेलन का आधिकारिक विषय रखा गया है। इस विषय के अंतर्गत संसदीय लोकतंत्र, विधि के शासन, संवैधानिक मूल्यों तथा वैश्विक सहयोग से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।बैठक में विधायक मथुरा प्रसाद महतो, दशरथ गागराई, प्रकाश राम, डॉ. नीरा यादव एवं ममता देवी उपस्थित रहीं। इसके अलावा झारखंड विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

## राम मंदिर में सीईओ की नियुक्ति पर भडके शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, कहा

### सीईओ भर्ती केवल औपचारिकता, लोगों को मूर्ख बना रहा है ट्रस्ट

लखनऊ(एजेंसी) : अयोध्या राम मंदिर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला है। शंकराचार्य ने सीईओ पद के लिए निकाली गई वैकेंसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मुख्य ट्रस्ट का गठन किया जा रहा था, तब कोई वैकेंसी क्यों नहीं निकाली गई थी? उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सिर्फ जनता को मूर्ख बनाने का एक तरीका है, और ट्रस्ट वही करेगा जो वो पहले से तय कर चुका है।

अविमुक्तेश्वरानंद यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट नियुक्त किया जा रहा था, तब भर्ती नहीं निकली और अब सीईओ की नियुक्ति के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जा रहा है। ये, जिसको उनको करना है उसको करेंगे, लोगों को केवल मूर्ख बना रहे हैं। इन सब चीजों का कोई तात्पर्य नहीं है। अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर के मौजूदा ट्रस्ट पर वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाते हुए तुरंत हटाने की मांग की।

अविमुक्तेश्वरानंद के बयान से शुरू हुई नई बहस

उन्होंने कहा कि जब तक वह ट्रस्ट, जिस ट्रस्ट ने राम जी के खजाने में हाथ साफ किया है, जब तक वह वहां से साफ नहीं हो जाता है, निर्मूल नहीं हो जाता है। वहीं जब तक धमार्चार्यों का ट्रस्ट वहां बन कर भगवान की सेवा संभाल नहीं लेता है, तब तक हिंदुओं के मन में कोई शांति नहीं होगी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के इस बयान के बाद राम मंदिर की व्यवस्था और मौजूदा ट्रस्ट को लेकर एक बार फिर सनातन धर्म के जानकारों और संतों के बीच बहस तेज हो गई है। इधर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद दर्जनों दानदाताओं ने ट्रस्ट के सामने गंभीर आरोप लगाए हैं। कई श्रद्धालुओं का दावा है कि उनके द्वारा भेंट की गई वस्तुओं की रसीद नहीं दी गई। आरोप यह भी है कि उनकी दी गई भेंट राम मंदिर में प्रदर्शित या सुरक्षित नहीं रखी गई। इन शिकायतों को देखते हुए ट्रस्ट संबंधित श्रद्धालुओं द्वारा भेंट में दी गई वस्तुओं को लौटाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ट्रस्ट का मानना है कि गर्भगृह में सभी भेंट स्वरूप प्राप्त वस्तुओं को रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है।

## लातेहार में 20 लाख का इनामी माओवादी रविंद्र गंझू गिरफ्तार, एके-56 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

लातेहार, (एजेंसी) : लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के रीजनल कमेटी सदस्य और 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी रविंद्र गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक एके-56 राइफल, एक पिस्टल, एक अन्य राइफल, 239 कारतूस तथा अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। रविंद्र गंझू लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र स्थित हेसला बांझीटोला गांव का निवासी है।

मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रविंद्र गंझू अपने घर आया हुआ है। सूचना के आधार पर कोबरा-209 बटालियन के उप कमांडेंट दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने उसके घर की घेराबंदी कर छापेमारी की और बिना किसी नुकसान के उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि रविंद्र गंझू पिछले 16 वर्षों से माओवादी संगठन में सक्रिय था और संगठन का महत्वपूर्ण सदस्य माना जाता था। उस पर 18 पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोप है। इसके अलावा लातेहार, पलामू, लोहरदगा, गुमला और रांची समेत विभिन्न जिलों के थानों में नक्सली हिंसा, हत्या, विस्फोट और हथियार लूट से जुड़े 154 से अधिक मामले दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान रविंद्र से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। उसके आधार पर संगठन के अन्य सदस्यों और गतिविधियों के संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसपी कुमार गौरव ने कहा कि सुरक्षा बलों के लगातार अभियान के कारण माओवादी संगठन काफी कमजोर हो चुका है। उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय बचे हुए उग्रवादियों से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की और कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाने का यह उचित समय है।

प्रेस वार्ता में मौजूद सीआरपीएफ के डीआईजी पंकज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में सक्रिय बचे हुए नक्सलियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उग्रवादियों के पास आत्मसमर्पण का अवसर है, अन्यथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रविंद्र गंझू से जुड़ी प्रमुख नक्सली घटनाएं

7 नवंबर 2011:- राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में पुलिस दल पर हमला, बम विस्फोट से स्कूल भवन ध्वस्त, सात जवान घायल।1 फरवरी 2012:- घाघू में आईईडी विस्फोट कर सुरक्षाबलों के वाहन को उड़ाया, तीन पुलिसकर्मी शहीद।7 जनवरी 2013:- कटिया जंगल मुठभेड़ में 11 सीआरपीएफ जवान शहीद और 15 घायल।12 जून 2013:- कुमण्डीह रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी की आड़ लेकर करीब 45 मिनट तक पुलिस पर फायरिंग।

22 नवंबर 2019:- चंदवा में पीसीआर वैन पर हमला, चार गृहरक्षक शहीद और हथियार लूटे।16 जनवरी 2021:- बंदरलेटा जंगल में लैंडमाइन विस्फोट, जिसमें सांझो देवी की मौत हुई।20 नवंबर 2021:- डेमू-रिचुघुटा रेलखंड पर विस्फोट कर रेलवे ट्रैक को क्षतिग्रस्त किया।14 मई 2022:- लेवी नहीं मिलने पर बॉस्करचा प्लांट में नौ वाहनों में आग लगाई।

## संक्षिप्त खबरें

### उपायुक्त ने फुटबॉल को किक मारकर प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को चैनपुर स्थित सहोदय उच्च विद्यालय में आयोजित प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का टॉस कराकर एवं फुटबॉल को किक मारकर विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आरंभ में विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं द्वारा उपायुक्त का गर्मजोशी एवं भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त श्री शेखावत ने खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय जीवन व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपने छात्र जीवन में एक औसत विद्यार्थी रहे हैं, लेकिन विद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को अपने स्कूल जीवन के प्रत्येक अवसर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए।उन्होंने कहा कि यदि छात्र-छात्राएं विद्यालय जीवन में बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो निश्चित रूप से उनका भविष्य भी उज्ज्वल होगाविद्यार्थियों से उन्होंने अपने समय का सदुपयोग करने तथा पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।उन्होंने शिक्षकों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि माता-पिता के बाद यदि कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सेवा करता है तो वह शिक्षक होता है। शिक्षकों का योगदान जीवनभर अविस्मरणीय रहता है तथा उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है।

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उपायुक्त ने कहा कि फुटबॉल जैसे खेल शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है और राज्य की पहचान देश-दुनिया में खेलों के माध्यम से भी स्थापित हुई है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के प्रति समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन से ही बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।प्रतियोगिता में पलामू प्रमंडल के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार जिले की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के तहत मंगलवार को अंडर-15 बालक वर्ग एवं अंडर-17 बालक वर्ग के तीन-तीन लीग मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। अंडर-15 बालक वर्ग में पलामू बनाम लातेहार, गढ़वा बनाम लातेहार तथा पलामू बनाम गढ़वा के बीच मुकाबले होंगे। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में पलामू बनाम गढ़वा, लातेहार बनाम गढ़वा तथा पलामू बनाम लातेहार के बीच मैच खेले जाएंगे। इसके अतिरिक्त बुधवार को अंडर-17 बालिका वर्ग के तीन लीग मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। सभी मुकाबलों के प्रदर्शन के आधार पर ग्रेडिंग की जाएगी, जिसके उपरांत विजेता टीमों का चयन किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक, विद्यालय के प्राचार्य, एडीपीओ अम्बुजया पांडेय, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

### जेपीएससी में धांधली को लेकर युवा आजसू का विरोध मार्च, आयोग कार्यालय का किया घेराव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : युवा आजसू द्वारा जेपीएससी रिजल्ट में गड़बड़ी में विरोध मार्च बापू वाटिका से जेपीएससी कार्यालय तक रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में निकाला गया और आयोग द्वारा नियुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। युवा आजसू ने विसंगतियों की जांच और परिणाम स्थगित करने जैसे मुख्य मांग के साथ बैकलॉग परीक्षाओ के परिणामों में विसंगतिया, परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने की अपील की है।ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें उठाई गई हैं,स्वतंत्र जांच और स्थगनः परीक्षा परिणाम को तत्काल स्थगित कर इसकी जांच सीबीआई या सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराई जाए। कट-ऑफ और समय की मांगः परिणाम के बाद श्रेणीवार कट-ऑफ जारी हो और मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए कम से कम 90 दिनों का समय दिया जाए।हस्ताक्षर पर स्पष्टीकरणः परिणाम पर आयोग के सदस्यों के हस्ताक्षर न होने के आरोपों पर आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट करे। ओएमआर शीट की फॉरेंसिक जांचः सोशल मीडिया पर वायरल कम अंक वाले अभ्यर्थी की ओएमआर शीट का हवाला देते हुए, सभी संदिग्ध चयनित अभ्यर्थियों के उत्तर-पत्रकों की फॉरेंसिक जांच की मांग की गई है।आंदोलन में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता,रांची जिला उपाध्यक्ष अमित साहू ,युवा आजसू के प्रदेश संयोजक प्रताप सिंह , चेतन प्रकाश , अजीत सिंह ,युवा आजसू रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव , छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा , वरिय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव , छात्र संघ के रांची महानगर अध्यक्ष अमन साहू व सैकड़ो के संख्या में अभ्यर्थी और पार्टी के कार्यकर्ता समीप रहे।

### हत्या मामले में दोषी बहू को उम्रकैद की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने हत्या मामले में दोषी करार बहू फूलो देवी को उम्रकैद की सजा सुनायी है।अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है।हत्या की घटना लापुंग थाना क्षेत्र के कारूंम गांव में 9 जून 2024 को अंजाम दिया गया था।फूलो देवी घटना के बाद से ही जेल में है।मुकदमे की सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक सिद्धार्थ सिंह ने गवाहों के बयान और अन्य ठोस साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। घटना को लेकर मामले में महिला के पति ने लापुंग थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।प्राथमिकी के अनुसार, 9 जून 2024 को दोपहर करीब तीन बजे आपसी विवाद के दौरान फूलो देवी ने अपनी सास मानमईत देवी के सिर पर ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

# रथ मेला के दौरान आकस्मिक चिकित्सा दल की रहेगी तैनाती, मौके पर 108 एंबुलेंस को भी लगाया गया,रथ यात्रा मेला के दौरान सोलह से 25 जुलाई वापसी रथयात्रा तक मेडिकल टीमें काम करेंगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी के जगन्नाथपुर धुर्वा में आयोजित भगवान जगन्नाथ रथ मेला के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भी अपनी ओर से तैयारियां की है।रथ यात्रा के दौरान भगदड़ या किसी भी आपात स्थिति से निपटने और त्वरित उपचार के लिए व्यापक आकस्मिक चिकित्सा प्रबंध (इमरजेंसी रिस्पांस टीम) किये गये हैं।रथ यात्रा मेला 16 जुलाई से प्रारंभ होगा जो 25 जुलाई को वापसी रथ यात्रा के साथ समाप्त होगा। इसे देखते हुए सांस्कृतिक कार्य निदेशालय के आग्रह पर स्वास्थ्य विभाग ने मेला के आयोजन संपन्न होने तक विशेष चिकित्सा दल की तैनाती की है।

चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में दो चिकित्सकों के नेतृत्व में 21 सदस्सीय तीन

अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, जिनकी मेला में तैनाती रहेगी। मेला में प्रतिनियुक्ति के अलावा भी सिविल सर्जन और उपाधीक्ष-ाक सदर रांची की ओर से सभी स्वास्थ्य संस्थानों और अस्पतालों में चौबीस घंटा स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने को लेकर निर्देश दिए गये हैं। सदर के इमरजेंसी सहित सीएचसी व पीएचसी स्तर के अस्पतालों में तीनों शिफ्ट में विशेषज्ञ चिकित्सक, पारा मे-डिकल स्टॉफ के अतिरिक्त आवश्यक दवा और ऑक्सीजन सिलिंडर के पर्याप्त इंतजाम किए गये हैं।जगन्नाथपुर प्राइमरी हेल्थ सेंटर (यूपीएचसी) में एक टीम की प्रतिनियुक्ति के अलावा दो अन्य जगहों पर टीमों को तैनात किया गया है। पारा मेडिकल कर्मियों को मेला अवधि तक के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। मेला के दौरान आकस्मिक उपचार टीटमेंट पेटी, आवश्यक दवा एवं उपकरणों इत्यादि के बेहतर इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। पर्याप्त मात्रा में ओआ-रएस रखना सुनश्चिति करने के अलावा आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय स्तर पर बनाए गये मेडिसिन स्टोर से दवाइयों की उपलब्धता कराने को कहा गया है।मेला के दौरान किसी भी अनहोनी के दौरान यही टीम लोगों को फर्स्ट एड ट्रीटमेंट उपलब्ध करायेगी।मेडिकल टीम सिटी कंट्रोल रूम के संपर्क में रहेगी। 108 एंबुलेंस को भी पारामेडिकल कर्मियों के साथ जगरनाथपुर मेला प्रक्षेत्र के बीच सुबह 10 बजे से मेला के समापन तक रहेंगे।मेला समिति को इस बात के खास निर्देश दिए गये हैं, कि आपात स्थिति में एंबुलेंस की आवाजाही आसानी से हो सके।राजधानी रांची में मुख्य आयोजन स्थल के पास पारा मेडिकल वोलेंटियर स्टॉफ की अलग से तैनाती होगी जो उमड़ने वाले भीड़ पर नजर रखेंगे।

## डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के कई बूथों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जिले में चल रहे इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के क्रम में मंगलवार को उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्धारित समयसीमा के भीतर फॉर्म वितरण के साथ-साथ शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सर्वप्रथम चैनपुर स्थित उच्च विद्यालय, सहदेवा के मतदान केंद्र संख्या-112 पहुंचे। यहां उन्होंने संबंधित बीएलओ से एन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली। बीएलओ द्वारा बताया गया कि मतदान केंद्र पर फॉर्म का वितरण शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है, जबकि डिजिटा-इजेशन की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि फॉर्म वितरण के साथ-साथ डिजिटाइजेशन कार्य भी शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए तथा अब्सेंट

शिफ्टेड डेथ सूची की मैपिंग भी पूरी गंभीरता एवं सटीकता के साथ सुनिश्चित की जाए।इसके उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरांव पहुंचे, जहां स्थित मतदान केंद्र संख्या-62, 63 एवं 64 पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित बीएलओ को निर्देश दिया कि जिन एन्यूमरेशन फॉर्म का संग्रहण हो चुका है, उनका डिजिटाइजेशन बिना विलंब पूरा कराया जाए। साथ ही बीएलओ सुपरवाइजर को अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में उसी दिन डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी स्तर पर लंबित मामलों की संख्या न्यूनतम रहे।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बूथ लेवल एजेंट के साथ भी संवाद स्थापित कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में सभी संबंधित पक्षों की सहभागिता महत्वपूर्ण है।उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। सभी बीएलओ, बीएलओ सुपर-वाइजर एवं संबंधित पदाधिकारी निर्धारित समयसीमा के भीतर फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटा-इजेशन का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग जारी रहेगी।निरीक्षण के दौरान डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी, चैनपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

## खेत में बिजली करंट लगने से युवक की मौत, दो घंटे सड़क जाम के बाद मुआवजे पर बनी सहमति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : गोड्डा जिला के हनवारा थाना क्षेत्र के मननकरहिया करारिया गांव में मंगलवार सुबह बिजली के करंट की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद नौशाद अंसारी (45 वर्ष), निवासी मननकरहिया करारिया गांव के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मद नौशाद अंसारी सुबह लगभग 8:30 बजे खेत की जुताई कराने के लिए खेत पहुंचे थे। बताया जाता है कि गांव के अनुरुद्ध पासवान ने बिजली के खंभे से करीब 500 मीटर दूर खेत तक मोटर चलाने के लिए बिजली का तार बिछाया था। इसी दौरान नौशाद अंसारी खेत में पड़े तार को हटाने का प्रयास कर रहे थे, तभी वे करंट की चपेट में आ गए। करंट इतना तेज था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना के बाद ग्रामीणों ने उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही हनवारा थाना प्रभारी ध्रुव कुमार तथा महागामा इंस्पेक्टर उपेंद्र महतो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।घटना से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। करीब छह घंटे तक चले जाम के बाद आपसी सहमति बनी, जिसमें अनुरुद्ध चौकीदार द्वारा मृतक के परिजनों को 5 लाख 50 हजार रुपये मुआवजा देने पर सहमति बनी। इसके बाद जाम समाप्त कराया गया।पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है तथा घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

### नुवोको विस्टास ने पहली तिमाही में बढ़ाया कारोबार और मुनाफा, क्षमता विस्तार की योजनाओं को मिली गति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों में कारोबार और मुनाफे में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने इस दौरान 5.3 मिलियन टन सीमेंट की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। पहली तिमाही में कंपनी की कुल आय 9 प्रतिशत बढ़कर 3,129 करोड़ रुपये, ईबीआईटीडीए 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 572 करोड़ रुपये तथा कर पश्चात लाभ (पीएटी) 20 प्रतिशत बढ़कर 160 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने सूरत स्थित लिमला सीमेंट प्लांट में 20 लाख टन वार्षिक क्षमता वाली ग्राइंडिंग यूनिट का निर्धारित समय से पहले उद्घाटन किया, जिससे पश्चिम भारत में उसकी उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क को मजबूती मिलेगी। साथ ही गुजरात के कच्छ में चल रही परियोजनाओं का कार्य भी तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है, जबकि विरमगाम (सचाना) में नए बल्क सीमेंट टर्मिनल का निर्माण भी शुरू हो चुका है, जिसे वित्त वर्ष 2027-28 की दूसरी तिमाही तक चालू करने का लक्ष्य है। नुवोको विस्टास के प्रबंध निदेशक जयकुमार कृष्णास्वामी ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने परिचालन दक्षता, लागत नियंत्रण और मजबूत परियोजना क्रियान्वयन के दम पर बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि समय से पहले नई ग्राइंडिंग यूनिट का शुरू होना कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमता को दशार्ता है और इससे पश्चिम व उत्तर भारत में कंपनी की उपस्थिति और मजबूत होगी। कंपनी ने बताया कि क्षमता विस्तार कार्यक्रम तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2028 तक कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 3.5 करोड़ टन प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य रखा गया है।

## जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक:अवैध खनन पर सख्ती,जून माह में 123 वाहन जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई।बैठक में डीसी ने पिछली बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन की समीक्षा की।इस दौरान जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।उन्होंने बताया कि जून माह में खनन विभाग द्वारा अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त 32 वाहनों को जब्त किया गया तथा 22 लाख 36 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया है।इसी तरह झा-रखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद की ओर से एक ईंट भट्टा,11 स्टोन माइंस एवं 12 स्टोन क्रशरों की जांच की गयी है जिसमें सभी को नोटिस निर्गत किया गया है।जिला परिवहन विभाग द्वारा 51 वाहनों को जब्त कर 9 लाख 41 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया,जबकि वन विभाग की ओर से शून्य वाद दर्ज किए गये।वहीं विभिन्न अंचलों द्वारा की गई कार्रवाई में 40 वाहन जब्त किए गए,जिसमें सर्वाधिक छत्तरपुर अंचल से आठ वाहन

जब्त हुए हैं।इसी तरह पिछले तीन माह में मोहम्मदगंज एवं उंटारी रोड अंचल के स्तर से शून्य कार्रवाई को रेखांकित किया गया।बैठक में डीसी ने अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि खनन से जुड़ी सभी गतिविधियां निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित हों, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने पुलिस,परिवहन व खनन विभाग को संयुक्त रूप से अभियान चलाने,चेकपोस्टों पर सघन जांच करने तथा खनन स्थलों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए और वन विभाग,पुलिस व अंचल प्रशासन आपसी समन्वय के साथ निगरानी करें।उन्होंने डीएमओ को ब्लास्टिंग के समय तय सभी मानकों का पालन करते हुए ही ब्लास्टिंग पर बल दिया ताकि पत्थर किसी भी परिस्थिति में पत्थर के टुकड़े रिहायशी इलाकों में न जाये।उन्होंने सदर और लेस्लीगंज अंचलाधिकारी को बालू घाटों के रास्तों पर ट्रेंच कटिंग कराने पर बल दिया।उपायुक्त द्वारा सभी सीओ को उनके क्षेत्र अंतर्गत बंद पड़े खदानों में अनिवार्य रूप से फेन्सिंग कराये जाने की बात क-ही।उन्होंने तीनों एसडीओ, एसडीपीओ,सीओ और सभी थाना प्रभारी को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करने की बात कही।बैठक में सदर एसडीएम, हुसैनाबाद एसडीपीओ, सहायक समाहर्ता,विभिन्न एसडीपीओ व थाना प्रभारी उपस्थित रहे।वहीं विभिन्न अंचलाधिकारी ऑनलाइन मोड से जुड़े रहे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

## संक्षिप्त खबरें

### खेत में संदिग्ध अवस्था मे मिली विवाहिता की शव, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : कालूबथान ओपी क्षेत्र के बलाईचौक गांव निवासी महाबीर मोदक की पत्नी आलिना मोदक (24) का शव मंगलवार को गांव से लगभग एक किलोमीटर की दुरी पर बहाल खेत में जमा पानी में तैरता हुआ मिला।सुचना पाकर कालूबथान ओपी प्रभारी नितेश कुमार मिश्रा दलबल के साथ पहुंचकर शव को पानी से निकालकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज ने की तैयारी कर रही है। मृतका का पति महावीर मोदक एवं ससुर विनोद मोदक ने पुलिस को बताया की सोमवार की सुबह 9 बजे बलियापुर स्थित ज्वेलरी दुकान सोने का बाली खरीदने गई थी। दोपहर 12 बजे घर पहूंची तो खाना बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। लगभग दोपहर तीन बजे एक वर्षीय बेटी को घर के पीछे आम पेड़ के निचे बैठाकर कहीं चली गयी। हम लोग काफी खोजवीन किया. लेकिन कुछ पता नहीं चला। अपराह्न 3 बजे 16 वर्षीय भांजा कन्हाई मोदक ने फोन पर सुचना दिया की आलिना की शव खेत के पानी में तैर रहा है। इधर सुचना पा कर शाम साढ़े चार बजे मृतका का भाई शंकर दत्ता, किसन दत्ता सहित गांव के गन्य मान्य लोग पहुंचे। मृतका के दोनों भाई ने पुलिस को बताया कि मेरी बहन को ससुराल वालों ने हत्या कर पानी में फेंक दिया है। साथ ही मृतका के भाई शंकर दत्ता ने कालूबथान ओपी में लिखित शिकायत किय है।जिसमें कहा है कि मेरी बहन की शादी तीन साल पहले समाजीक रिती रिवाज से हुआ था।जिसमें दहेज के रुप में डेढ़ लाख रुपया नगद, फर्नीचर व अन्य सामान दिया था। शादी के छह माह बाद फिर से ससुराल वालों द्वारा एक लाख रुपया व बाइक को लेकर बहन को हमेशा प्रताड़ित करते थे। दामाद महावीर मोदक, सास पुणीर्मा मोदक, ससुर विनोद मोदक, तारकनाथ मोदक, ननद जोत्सना मोदक, प्रियंका मोदक एवं रेंघा मोदक पर हत्या का आरोप लगाया है।पुलिस मामले की जांच पड़ताल में लग गई है।

### बीआईटी सिंदरी को रिसर्च संस्थान बनाने की तैयारी, उच्च शिक्षा के इकोसिस्टम को मजबूत करेगी सरकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार मंगलवार को धनबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त आदित्य रंजन, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, बीआईटी सिंदरी के फैकल्टी और बीबीएमकेयू प्रबंधन के साथ बैठक की। बैठक में राज्य के उच्च शिक्षा तंत्र को मजबूत बनाने, बीआईटी सिंदरी को रिसर्च संस्थान के रूप में विकसित करने और शिक्षकों की कमी को दूर करने पर विस्तार से चर्चा हुई।प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार ने कहा कि बीआईटी सिंदरी राज्य का एक प्रतिष्ठित और पुराना तकनीकी संस्थान है, जबकि बीबीएमकेयू एक नई यूनिवर्सिटी है। ऐसे में धनबाद के उच्च शिक्षा इकोसिस्टम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह दौरा किया गया है। उन्होंने बताया कि बीआईटी सिंदरी को रिसर्च आधारित संस्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में आवश्यक संसाधनों और कमियों की समीक्षा की गई है।उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती फैकल्टी की कमी है। राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम लागू होने के बाद अब यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन का गठन किया जाएगा, जिससे शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया तेज होगी। उम्मीद है कि अगले एक वर्ष के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।प्रधान सचिव ने कहा कि सरकार शिक्षण संस्थानों में नियमित शैक्षणिक सत्र, समय पर नामांकन और बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नए सिस्टम लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी संस्थानों की तुलना करने के बजाय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।धनबाद से सरकार की इस पहल का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को आधुनिक और शोध आधारित बनाना है। यदि फैकल्टी की कमी दूर होती है और शैक्षणिक सत्र नियमित होते हैं, तो इसका सीधा लाभ राज्य के हजारों विद्यार्थियों को मिलेगा।

### वार्ड सदस्य के पति को घर में घुस कर कुल्हाड़ी से मार कर किया निर्मम हत्या, जांच में जुटी पुलिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : निरसा थाना क्षेत्र के साहेबडंगाल बस्ती में मंगलवार की अहले सुबह अज्ञात व्यक्ति ने वार्ड सदस्य सोनमुनी मरांडी के पति रूपलाल मरांडी (57) के घर के पीछे बने रसोईघर में घुसकर कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही निरसा थाना प्रभारी अजीत कुमार भारती दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ किया. साथ ही घटनास्थल से कुल्हाड़ी और खुन के धब्बे का नमूना लिया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। दोपहर बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टण करा परिजनों को सौप दिया है।घटना के संबंध में मृतक की पत्नी सोनमुनी मरांडी ने कहा कि सुबह पति-पत्नी सो कर उठे और घर के पीछे बना रसोईघर घर में गये। जहां मेरी तबियत ठीक नहीं रहने के कारण हम पुनः सोने चली आई. वहीं मृतक कुल्हाड़ी से लकड़ी काट कर चूल्हा जलाने में जुट गया। आधे घंटे बाद मेरी बहन बुधनी हेम्ब्रम सो कर उठी और घर के पीछे गई तो देखा की रसोईघर में खुन से लथपथ रूपलाल मरांडी पड़ा हुआ है। वह शोर मचाते हुई घर में आई और घटना की जानकारी दी।जब हमलोग वहां पहुंचे तो देखा कि मृतक के सर पर कई जगह गंभीर चोटें लगी हुई है।साथ ही उसी स्थान पर खुन से सना कुल्हाड़ी पड़ा हुआ है।हमलोगों ने निजी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।इसके बाद हमलोग मृतक को घर ले आये और घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।वहीं घटना के बाद ग्रामीणों में भय व दहशत व्याप्त है।मृतक का एक पुत्र व एक पुत्री है।पुत्र बाहर में पढ़ाई कर रहा है।हृदयविदारक घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई।सभी ग्रामीण इस घटना से काफी दहशत में थे साथ ही शोक भी व्यक्त कर रहे थे।लोगों ने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।निरसा थाना प्रभारी अजीत कुमार भारती ने कहा कि पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजनों को सौप दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है. जल्द ही हत्या का उद्भेदन कर लिया जायेगा।

### नप में जल संवाद व जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम का आयोजन, चलाया गया जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : चिरकुंडा नप कार्यालय में जल शक्ति अभियान कैच द रेनझ 2026 के तहत विशेष जल संवाद एवं जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया।मवि कापासारा एवं नप कार्यालय के सभागार में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अध्यक्ष सुनीता देवी, सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन एवं नजरुल इस्लाम की उपस्थिति में सफाईकर्मी व स्कूल में बच्चों को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई मित्रों, नप के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना व गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए प्रेरित करना था।जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग पर विस्तार से चर्चा किया गया।

# मैथन से लौट रही पुलिस टीम हादसे का शिकार, ट्रेलर से टकराई गाड़ी:एक जवान की मौत, तीन घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में हजारीबाग पुलिस के एक जवान की मौत हो गई, जबकि तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। चलकुशा थाना की पुलिस टीम मैथन में एक अभियुक्त की तलाश में छापेमारी कर वापस लौट रही थी। इसी दौरान बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में एनएच-19 पर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से उनकी सरकारी गाड़ी टकरा गई। हादसे के बाद घायलों को एसएनएमएमसीएच लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए असर्फी अस्पताल रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार हजारीबाग जिले के चलकुशा थाना की पुलिस टीम मंगलवार अहले सुबह धनबाद के मैथन क्षेत्र में एक अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। हालांकि आरोपी हाथ नहीं लगा। कार्रवाई के बाद टीम सरकारी वाहन से वापस लौट रही थी। इसी दौरान बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से पुलिस वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए।दुर्घटना में 50 वर्षीय पुलिस जवान रामलखन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नरेश यादव, ग्रीन पासवान और वाहन चालक गौरव कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए असर्फी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।एसएनएमएमसीएच आरक्षी चौकी के एएसआई विनोद कुर्जू ने बताया कि चलकुशा थाना की पुलिस टीम मैथन में छापेमारी के बाद लौट रही थी। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से सरकारी वाहन की टक्कर हो गई, जिसमें एक जवान की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज जारी है।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि 24 जून को बरही अनुमंडल क्षेत्र में हुई मारपीट की घटना के एक आरोपी की तलाश में चलकुशा थाना की पुलिस टीम मैथन में छापेमारी करने पहुंची थी। कार्रवाई के बाद लौटते समय बरवाअड्डा थाना से लगभग 500 मीटर पहले सड़क किनारे खड़े हाईवा ट्रेलर से सरकारी वाहन टकरा गया। वाहन में कुल पांच लोग सवार थे। हादसे में एक जवान मौत हो गया, जबकि अन्य घायलों में एक की हालत गंभीर एक की स्थिति सामान्य और एक का ऑपरेशन किया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

# आंगनबाड़ी केंद्र के जीर्णोद्धार में डीडीसी ने तेजी लाने के दिए निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज ने मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता को बारीकी से परखा और कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने व सुरक्षा मानकों के पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े इस केंद्र का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरा किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतें। इसके बाद उन्होंने हाफवे होम का दौरा किया। एनजीओ द्वारा संचालित हाफ-वे होम का संचालन संतोषप्रद पाया। कुछ कारणों से इसे पुराने स्कूल परिसर में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। स्थानांतरण को सुचारू व सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीडीसी नेत्रहीन विद्यालय, जगजीवन नगर पहुंचे। उन्होंने भवन सुधार, बैठने की व्यवस्था, शौचालय व विद्युत/पानी सुविधाओं के त्वरित नवीनीकरण तथा परिसर की सफाई

कराने के लिए नगर निगम को निर्देशित किया। भ्रमण के अंतिम चरण में उप विकास आयुक्त ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान का दौरा किया। यहां ब्यूटी पार्लर कोर्स सहित अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम संतोषजनक पाए गए। उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र के खुले बगीचे व फलदार पेड़ों की सराहना की। जबकि छात्रों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई और भोजन की गुणवत्ता में सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, निमार्णाधीन परियोजनाओं और समाज कल्याण से जुड़ी संस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन को परखना और समाज के संवेदनशील वर्गों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा करना था। बताया कि जिला प्रशासन का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। परियोजनाओं में समयबद्धता और कल्याणकारी संस्थानों में मानवीय दृष्टिकोण सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श स्नेह कश्यप सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सांसद ढुलू महतो और विधायक अरूप चटर्जी आमने-सामने

## 15 जुलाई को दोनों नेताओं की अलग-अलग जनसभा, जिला प्रशासन अलर्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद की राजनीति में सांसद ढुलू महतो और निरसा विधायक अरूप चटर्जी के बीच सियासी टकराव अब सड़क पर उतरने वाला है। दोनों नेता एक-दूसरे पर लगातार गंभीर आरोप लगा रहे हैं और अब 15 जुलाई को निरसा में अलग-अलग शक्ति प्रदर्शन और जनसभा करने जा रहे हैं। एक ओर सांसद ढुलू महतो एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग को लेकर समर्थकों के साथ उतरेंगे, तो दूसरी ओर विधायक अरूप चटर्जी स्थानीय लोगों को रोजगार और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य के मुद्दे पर जनसभा करेंगे। दोनों कार्यक्रमों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।पिछले कई दिनों से सांसद ढुलू महतो और विधायक अरूप चटर्जी के बीच जुबानी जंग लगातार तेज होती जा रही है। दोनों नेता एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। अब यह राजनीतिक मुकाबला शक्ति प्रदर्शन तक पहुंच गया है। 15 जुलाई को दोनों नेताओं ने निरसा में अलग-अलग जनसभा का ऐलान किया है।सांसद ढुलू महतो एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ सभा करेंगे। वहीं विधायक अरूप चटर्जी स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता और निर्माण कार्य की गुणवत्ता जैसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच अपनी बात रखेंगे। दोनों सभाओं में हजारों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।एक ही दिन दो बड़े राजनीतिक कार्यक्रम होने से प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी दल को सभा करने से नहीं रोका जाएगा। लेकिन यदि किसी भी कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ती है या शांति भंग करने की कोशिश होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जुलाई को निरसा की राजनीति का यह शक्ति प्रदर्शन सिर्फ राजनीतिक ताकत दिखाने तक सीमित रहेगा या फिर सियासी टकराव का रूप लेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। फिलहाल जिला प्रशासन का पूरा फोकस कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर है, ताकि दोनों कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

# सुदामा की निष्काम भक्ति और भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं से भावविभोर हुआ श्रद्धालुओं का जनसैलाब

- जागृत मंदिर में भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ समापन
- आज रात्रि में विशाल भगवती जागरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भगवती जागृत मंदिर के तृतीय प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें एवं अंतिम दिवस पर पूज्य उज्ज्वल शांडिल्य जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके परम सखा सुदामा के अद्भुत मिलन, निष्काम भक्ति तथा भगवान श्रीकृष्ण के 1008 पटरानियों से विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक एवं ओजस्वी वर्णन किया। कथा के दौरान प्रस्तुत की गई मनोहारी एवं भव्य झांकियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की

मित्रता संसार को यह संदेश देती है कि सच्चे प्रेम और निष्कपट भक्ति के आगे धन-दौलत का कोई महत्व नहीं है। सुदामा ने भगवान से कभी कुछ नहीं मांगा, किंतु अंतयार्मी श्रीकृष्ण ने अपने भक्त की दरिद्रता को बिना कहे ही दूर कर दिया। भगवान केवल भाव के भूखे हैं और जो श्रद्धा एवं समर्पण के साथ उनकी शरण में आता है, उसका कल्याण निश्चित है।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के 1008 पटरानियों से विवाह प्रसंग का भी अत्यंत रोचक एवं आध्यात्मिक विवेचन किया गया। महाराज श्री ने बताया कि भगवान का प्रत्येक विवाह धर्म की स्थापना, भक्तों की रक्षा तथा अधर्म के विनाश का प्रतीक है। यह प्रसंग भगवान की अनंत करुणा, लोककल्याण और दिव्य लीलाओं का परिचायक है।

सुदामा चरित्र एवं भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग पर आधारित भव्य झांकियों ने श्रद्धालुओं को वृंदावन और द्वारका की दिव्य लीलाओं का साक्षात दर्शन करा दिया। आकर्षक वेशभूषा, मनमोहक संगीत और जीवंत प्रस्तुति पर श्रद्धालु बार-बार राधे-राधे एवं जय श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरा कथा पंडाल गुंजायमान हो उठा।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा मे आप भागवत महापुराण का पारायण पाठ

भागवत परायण में आचार्य सुबोध पांडेय, सुनील पांडे, जितेंद्र पांडे, मीठू पांडे, गुणानंद झा , सूरज पांडे, सुमन पांडे, पंकज पांडे द्वारा निरंतर किया गया .कथा

समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विश्व के कल्याण, सुख-समृद्धि और धर्म की स्थापना के लिए जागृत मंदिर। समिति ने कथा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, सेवाभावियों एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन के उपरांत महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का भक्तिमय वातावरण में विधिवत समापन हुआ। समिति के उपाध्यक्ष अजय कुमार भट्ट ने बताया कि 15 जुलाई बुधवार गुप्त नवरात्र के प्रथम दिवस को आचार्य सुबोध पांडेय व वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा भगवती जगदंबा का वैदिक रीति से पूजन होगा, जिसके बाद रात्रि 8 बजे से विशाल भगवती जागरण का आयोजन मंदिर परिसर में किया जाएगा। 16 जुलाई को महा भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

15-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 15-07-2026 05:55 Page 1



## संक्षिप्त खबरें

### फैमिली पेंशन के एरियर भुगतान में देरी पर हाइकोर्ट सख्त, लोहरदगा कोषागार पदाधिकारी को हाजिर होने का निर्देश मामले की अगली सुनवाई अब 10 अगस्त को होगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट दीपक रोशन की अदालत ने पारिवारिक पेंशन के बकाया भुगतान में देरी को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत नेप्रार्थी का पक्ष सुनने के बाद लोहरदगा के संबंधित कोषागार पदाधिकारी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया। अदालत ने अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर कोषागार पदाधिकारी को यह बताने का निर्देश दिया कि बकाया राशि बैंक के माध्यम से प्रार्थी के खाते में क्यों जमा नहीं की गयी।साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि अगली सुनवाई से पहले कम से कम स्वीकार्य बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाता है, तो कोषागार पदाधिकारी की व्यक्तिगत उपस्थिति स्वतः समाप्त मानी जायेगी।अदालत ने पाया कि एरियर की राशि का बैंक द्वारा पहले ही निर्धारण किया जा चुका है, जिसका उल्लेख याचिका के अनुलग्नक-सात में किया गया है।इसके बावजूद राशि लाभुक के खाते में जमा नहीं की गयी।अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला विभागों के बीच समन्वय का प्रतीत होता है, लेकिन कारण चाहे जो भी हो, किसी भी लाभार्थी को पारिवारिक पेंशन के एरियर के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता।मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 10 अगस्त की तिथि निर्धारित की। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह व अधिवक्ता सूर्य हर्ष मिश्रा ने अदालत को बताया कि प्रार्थी के पति का वर्ष 2022 में निधन हो गया था, जिसके बाद उसी वर्ष से पारिवारिक पेंशन मिलनी शुरू हो गयी। हालांकि पेंशन संशोधन के कारण देय एरियर राशि का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी गंगा देवी ने याचिका दायर की है।

### झारखंड में प्लास्टिक मुक्त अभियान को मिलेगी धार, पंचायतों में खुलेंगे बर्तन बैंक, खरीद शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड सरकार राज्य को प्लास्टिक और थमोकोल मुक्त बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रही है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा राज्य की विभिन्न पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित करने की योजना पर काम तेज हो गया है। इसे लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के रांची पश्चिम प्रमंडल की ओर से आवश्यक सामग्रियों की खरीद के लिए निविदा आमंत्रित की गयी है। सरकार ने प्रति बर्तन बैंक स्थापित करने के लिए 4.72 लाख रुपये का प्रावधान किया है।बर्तन बैंक का मुख्य उद्देश्य शादी-विवाह, जन्मदिन और अन्य सामाजिक आयोजनों में सिंगल-यूज प्लास्टिक और थमोकोल के बर्तनों के बढ़ते उपयोग को रोकना है।अक्सर ऐसे आयोजनों के बाद प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।इस समस्या से निपटने के लिए अब पंचायतों में स्टील के बर्तनों का बैंक बनाया जायेगा, जहां से लोग नाममात्र के शुल्क पर बर्तन किराये पर ले सकेंगे।आम लोग बहुत कम या प्रतीकात्मक शुल्क देकर स्टील के बर्तनों (थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच आदि) का सेट ले सकेंगे। गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए ये बर्तन निःशुल्क या विशेष छूट पर उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान किया जा सकता है।बर्तन बैंक का संचालन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किया जायेगा।बर्तन लेते समय यह शर्त रखी जाती है कि आयोजन में किसी भी प्रकार के प्लास्टिक या थमोकोल के बर्तनों का उपयोग नहीं होगा।साथ ही उपयोग के बाद बर्तनों को साफ-सुथरा कर वापस करना होगा।पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, रांची पश्चिम ने बर्तन बैंक के लिए शुद्धि पत्र निकाल कर आवश्यक एचडीपीई ड्रमों के मानक में संशोधन किया है। अब इनकी खरीद बीआईएस स्पेसिफिकेशन आइएस के अनुरूप ही की जायेगी।इसके साथ ही आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है।अब वेंडर 20 जुलाई तक ऑनलाइन कोटेशन जमा कर सकते हैं, जिसे 21 जुलाई को खोला जायेगा।

### उपायुक्त ने राजकीयकृत मध्य विद्यालय,बरांव का किया औचक निरीक्षण, मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के दिए निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय, बरांव का औचक निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न कक्षाओं का भ्रमण कर बच्चों से संवाद किया तथा पठन-पाठन की स्थिति का अवलोकन किया। इस क्रम में उन्होंने विद्यालय की कुछ आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने पाया कि कुछ कक्षाओं में अतिरिक्त बैठने की व्यवस्था की जरूरत है तथा कुछ बेंचों की मरम्मत/प्रतिस्थापन आवश्यक है। साथ ही विद्यालय परिसर की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित वातावरण के दृष्टिकोण से चाहरदीवारी (बाउंड्री वॉल) की आवश्यकता पर भी बल दिया।उपायुक्त ने मौके से ही जिला शिक्षा पदाधिकारी को दूरभाष पर आवश्यक निर्देश देते हुए विद्यालय की सभी आधारभूत आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन कर उसी दिन संध्या तक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिवेदन के आधार पर विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु यथोचित कार्रवाई एवं प्रस्ताव तैयार किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य जिले के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य से विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि जहां भी आवश्यकता हो, वहां समयबद्ध तरीके से आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

# एसीबी ने 50 हजार रुपये रिश्वत लेते क्लर्क समेत सेवानिवृत्त शिक्षक को किया गिरफ्तार, मचा हड़कंप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : समाहरणालय परिसर स्थित जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) कार्यालय में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की 25 सदस्यीय टीम ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए रिश्वतखोरी के आरोप में दो लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में डीएसई कार्यालय में कार्यरत क्लर्क रंजीत कुजूर तथा सेवानिवृत्त शिक्षक वत्सीय रविकांत शामिल हैं। कार्रवाई के बाद दोनों को पूछताछ के लिए रांची ले जाया गया।इस कार्रवाई से पूरे समाहरणालय परिसर में हड़कंप मच गया। कई विभागों के कर्मचारी और अधिकारी अचानक हुई छापेमारी से सकते में आ गए। कुछ कर्मी अपने कार्यालय छोड़कर बाहर निकल गए, जबकि डीएसई नूर खान पूरे घटनाक्रम के दौरान अपने

कार्यालय में मौजूद रहे। एसीबी अधिकारियों ने उन्हें कार्रवाई की जानकारी भी दी।जानकारी के अनुसार, बसिया प्रखंड के पोढ़ा टोली निवासी शिक्षक राजेश बरला के लंबे समय से लंबित एरियर भुगतान से जुड़ा मामला डीएसई कार्यालय में लंबित था। आरोप है कि इस मामले के निपटारे के एवज में मोटी रकम की मांग की गई थी। पूरी डीलिंग सेवानिवृत्त शिक्षक वत्सीय रविकांत के माध्यम से तय हुई थी और क्लर्क रंजीत कुजूर इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहा था।बताया जाता है कि तय सौदे के तहत पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये 14 जुलाई को देने थे। शिक्षक ने रिश्वत देने के बजाय इसकी शिकायत एसीबी रांची से कर दी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई।मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एसीबी की टीम सादे कपड़ों में समाहरणालय परिसर पहुंची और अलग-अलग स्थानों पर निगरानी में लग गई। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता राजेश बरला रिश्वत की राशि लेकर डीएसई कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, क्लर्क रंजीत कुजूर स्वयं कार्यालय से नीचे उतरकर रुपये लेने आया। जैसे ही उसने 50 हजार रुपये लिए, पहले से घात लगाए एसीबी अधिकारियों ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

इसके बाद उसकी निशानदेही पर सेवानिवृत्त शिक्षक वत्सीय रविकांत को भी गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम दोनों आरोपियों को लेकर डीएसई कार्यालय पहुंची, जहां आवश्यक दस्तावेजों की जांच और पूछताछ की गई। पूरी कार्रवाई के दौरान समाहरणालय परिसर में लोगों की भीड़ जुटी रही। अचानक हुई इस कार्रवाई से कर्मचारियों में दहशत का माहौल देखने को मिला।

रांची से आई एसीबी टीम का नेतृत्व कर रहे डीएसपी ने बताया कि रिश्वत लेने के मामले में दो लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की विस्तृत जानकारी एसीबी मुख्यालय, रांची से जारी की जाएगी। फिलहाल दोनों आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत रांची ले जाया गया है।

समाहरणालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी परिसर में हुई इस कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी कार्यों के बदले रिश्वत मांगने वालों पर एसीबी की नजर लगातार बनी हुई है। शिक्षा विभाग में हुई इस कार्रवाई के बाद अन्य विभागों के कर्मचारियों में भी खलबली मची हुई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में और कौन-कौन लोग सामने आते हैं तथा इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

## रिम्स निदेशक डॉ डीके सिन्हा ने एकेडमिक ब्लाक स्थित योग एवं ध्यान प्रयोगशाला में क्लीनिकल ट्रायल के दूसरे चरण का किया शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में हाइपोथायराइड मरीजों में योग और ध्यान के प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन होगा।इस उद्देश्य से रिम्स में थायराइड रोग मुक्त परिवार के तहत योग एवं ध्यान सत्र की शुरूआत की गई। झारखंड के छह सरकारी मेडिकल कालेजों में चल रहे इस बहु-केंद्रित (मल्टीसेंट्रिक) क्लीनिकल ट्रायल के दूसरे चरण का शुभारंभ रिम्स के निदेशक डॉ डीके सिन्हा ने एकेडमिक ब्लाक स्थित योग एवं ध्यान प्रयोगशाला में किया। इस अवसर पर डॉ सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश गैर-संचारी बीमारियां तनाव से जुड़ी हैं।नियमित योग और ध्यान न केवल मानसिक तनाव को कम करता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। उन्होंने रिम्स में

जल्द ही नियमित योग एवं ध्यान प्रशिक्षक की नियुक्ति करने की भी घोषणा की तथा फिजिलयोलाजी विभाग की इस शोध पहल की सराहना की। अध्ययन के लीड प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर एवं फूलो झानो मेडिकल कालेज, दुमका के डा. पीयूष रंजन ने प्रतिभागियों को योग एवं ध्यान का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम में रिम्स के डीन, सब-डीन डॉ लखन मांझी, फिजियोलाजी विभागाध्यक्ष डॉ मेरी पुष्पा बाड़ा, एनएमसी के नोडल पदाधिकारी डॉ एसबी सिंह, जैव रसायन विभागाध्यक्ष डॉ संतोष कुमार, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।अध्ययन का पहला चरण महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कालेज, जमशेदपुर, मेदिनीराय मेडिकल कालेज, पलामू और फूलो झानो मेडिकल कालेज, दुमका में पूरा हो चुका है।प्रारंभिक निष्कर्षों में हाइपोथायराइड मरीजों पर योग और ध्यान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।रिम्स के फिजियोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं साइट प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ राजेंद्र कुमार ने बताया कि अध्ययन के लिए अब तक 48 प्रतिभागियों के टीएसएच जांच के लिए रक्त नमूने एकत्र किए जा चुके हैं। अध्ययन में शामिल हाइपोथायराइड मरीजों को दो माह तक योग एवं ध्यान आधारित क्रिया कराया जाएगा।इसके बाद रक्तचाप, हृदय गति, बाडी मास इंडेक्स, टीएसएच स्तर, थायराक्सिन दवा की आवश्यकता तथा तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मनोवैज्ञानिक मानकों का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाएगा।

## झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने पदोन्नति, एमएसीपी सहित स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग उठाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने पुलिसकर्मियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर राज्य सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष आवाज उठाई है।एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष कर्ण कुमार सिंह ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने राज्य पुलिस मुख्यालय की स्थापना समिति एवं वेतन विसंगति, सेवा शर्तें सहित एमएसीपी से संबंधित मामलों की निराकरण समिति से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन ने राज्य पुलिस सेवा के पदाधिकारियों, कनिष्ठ पदाधिकारियों, कर्मियों, चालक वर्ग तथा समवर्गीय कर्मियों को द्वितीय एमएसीपी के तहत ग्रेड पे 4200 स्वीकृत करने की मांग की।साथ ही पुलिसकर्मियों के हित में इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया।इसके अलावा नेपाल हाउस से रांची के डिबडीह एवं रिलीगढ़ा क्षेत्र के अस्पतालों को राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सूचीबद्ध करने के लिए झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी के कार्यकारी निदेशक को भी पत्र भेजे जाने की जानकारी दी गई। एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि सरकार पुलिसकर्मियों के हित से जुड़े इन मामलों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी।

## छात्रा से गैंगरेप मामले में ड्राइवर और खलासी दोषी करार, सजा 20 को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 की अदालत ने गैंगरेप से जुड़े एक मामले में दो आरोपियों को दोषी करार दिया है।जिन्हे दोषी करार दिया गया है उनमें दीपक कुमार महतो और छोटू उर्फ गुड्डू कुमार चौहान को शामिल है।दोनों की सजा के बिंदु पर 20 जुलाई को सुनवाई होगी।इस मामले में रांची सदर थाना में 2019 में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी।सुनवाई के दौरान ड्राइवर दीपक कुमार महतो कोर्ट में उपस्थित थे जिसे हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। दूसरा आरोपी खलासी छोटू उर्फ गुड्डू चौहान कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ उसके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया गया है।प्राथमिकी के अनुसार इंटर की एक छात्रा जनवरी 2019 में डाल्टनगंज जाने के लिए रातू रोड में गाड़ी का इंतजार कर रही थी रातू रोड में उसे एक बोलेरो सवारी गाड़ी दिखी जिसे उसने हाथ दिखाकर रोका।गाड़ी में पहले से कुछ और पैसेंजर सवार थे। छात्रा ने जब डाल्टनगंज जाने के बारे में पूछा तो ड्राइवर और खलासी ने कहा कि उसे डाल्टनगंज छोड़ देंगे। उसके बाद दोनो उसे गाड़ी में बैठकर बहाने से घुमाते रहे। बाद में दोनो ने उस छात्रा के हाथ पैर और मुंह बांधकर साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और सड़क के किनारे छोड़कर भाग गए।पीसीआर की मदद से छात्रा थाना पहुंची और दोनो के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

## सीआइएसएफ, सुरक्षा विभाग व बेरमो पुलिस की संयुक्त छापेमारी में 91.810 टन अवैध कोयला जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : सीसीएल ढोरी क्षेत्र के अमलो साइडिंग के कारखाना के बगल में एवं पांच नंबर पीपल धौड़ा ग्राउंड साइड व अन्य जगहों में मंगलवार को सीआइएसएफ, सुरक्षा विभाग व बेरमो पुलिस की संयुक्त छापेमारी में 91.810 टन अवैध कोयला जब्त किया। छापेमारी का नेतृत्व सुरक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह ने किया। साथ ही अभियान में सीआइएसएफ कमांडेंट राज प्रताप सिंह भी शामिल थे। यह छापेमारी रात्रिकालीन गश्त, आधुनिक तकनीक, ड्रोन सर्विलांस एवं सटीक खुफिया सूचना के आधार पर किया गया।जब्त कोयला को साइडिंग मैनेजर के द्वारा दिये गये हाइवा एवं ट्रैक्टर में लोड करके एवं कांटा कराकर अमलो रेलवे साइडिंग के क्रैशर में डंप कर दिया गया। अभियान भारत सरकार की जीरो कोल लीकेज नीति को प्रभावी रूप

से लागू करते हुए चलाया गया। वहीं अमलो रेलवे साइडिंग के समीप स्थित पांच नंबर पीपल धौड़ा भारी मात्रा में 89.280 टन अवैध अवैध कच्चा व पोडा जब्त किया गया। जबकि कारीपानी कांटाघर के समीप से 2.550 टन कोयला को जब्त कर सीसीएल प्रबंधन को सुपूर्द किया गया।अधिकारियों ने कहा कि इससे अवैध खनन और कोयला चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि अवैध कोयला कारोबार करने वालों के लिए अब कोई सुरक्षित ठिकाना शेष नहीं है।सतत निगरानी, तकनीकी क्षमता और त्वरित कार्रवाई ने तस्करी के पूरे नेटवर्क पर प्रभावी दबाव बनाया है।कहा कि कोयला देश की अमूल्य राष्ट्रीय संपदा है और इसकी सुरक्षा सर्वोच्च दायित्वों में शामिल है।भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उद्देश्य अवैध खनन, चोरी और तस्करी पर कठोर नियंत्रण स्थापित करना तथा राष्ट्रीय संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।मौके पर उप कमांडेंट गारा अभिलाष, सहायक कमांडेंट केवीए श्रीधर, निरीक्षक पीके सिंह, एसआर नायक, उप निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी, हरेश कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक संदीप कुमार, मो इफ्तेखार अंजुम, महिला प्रधान आरक्षक संध्या कुमारी, ममिता कुमारी, सीसीएल सुरक्षा टीम से सुरक्षा प्रभारी शिलचंद, अमलो साइडिंग इंचार्ज जय शंकर, अनाम वारिश, कृपाल सिंह, गब्बर सिंह, बलबहादुर, सुरेश, मुकेश कुमार शर्मा, होम गार्ड जितेंद्र रजक, बेरमो थाना से रंजीत रंजन आदि जवान शामिल थे।

## प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न, अंडर-15 में रामगढ़ 17 बालक में गिरिडीह और बालिका में हजारीबाग बने चैंपियन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : झारखंड के हजारीबाग शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता मंगलवार को कर्जन ग्राउंड में संपन्न हुआ।अंडर-15 बालक वर्ग में रामगढ़ जिला, अंडर 17-बालक में गिरिडीह जिला और अंदर-17 बालिका वर्ग में मेजबान हजारीबाग जिला चैंपियन बना है। शहर के कर्जन ग्राउंड में दिन भर चले रोमांचक मुकाबले में विजेता टीमों ने अपने प्रतिद्वंदियों को कारी शिकस्त दी है।इसी के साथ प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कब फुटबॉल प्रतियोगिता का रंगारंग समापन किया गया।फाइनल मुकाबल की शुरूआत अंडर-17 बालिका हजारीबाग और चतरा के बीच खेला गया। इसमें हजारीबाग ने चतरा को 2-0 से पराजित किया है। अंडर-15 बालक का फाइनल मुकाबला हजारीबाग और रामगढ़ के बीच खेला गया।दोनों टीमें निर्धारित समय तक 01-01 गोल कर बराबरी पर रहे।बाद में पेनाल्टी शूटआउट में रामगढ़ ने हजारीबाग को पराजित कर प्रमंडल स्तरीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।वहीं, अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला गिरिडीह और चतरा के बीच खेला गया। इसमें गिरिडीह ने चतरा को 2-0 से हरा दिया।अब प्रमंडल स्तर पर चयनित तीनों चैंपियन जिला रामगढ़, गिरिडीह और हजारीबाग राज्य स्तरीय 65वीं सुब्रतो कब

फुटबॉल प्रतियोगिता में अपना प्रदर्शन करेग। समापन कार्यक्रम के अंत में तीनों जिले के चैंपियन बने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। महापौर अरविंद कुमार राणा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरेसेन ए सोरेंग और डीएसई आकाश कुमार ने विजेता और उपविजेता दोनों टीमों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में झारखंड शिक्षा योजना परिषद हजारीबाग के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खेल शिक्षक रहे।इसमें एओ संजय राणा, एमआरपी आनंद कुल्लू, खेल शिक्षकों में मधुसूदन कुमार सिंह, अनूप कुमार मेहता, सुनील यादव, पवन कुमार, अश्विनी श्रीवास्तव, अभिनव गुप्ता, कुंवर कुमार, सागर कुमार, गोपाल राम, राहुल कुमार, उपेंद्र कुमार अग्रवाल, अमित कुमार, पंकज कुमार, किरण कुमारी, संजू कुमारी, चांदनी वर्मा, मनीष कुमार, विजय दास, प्रमोद दास, अनिल दास, मृत्युंजय कुमार सभी के नाम शामिल है।

## संक्षिप्त खबरें

### भेटौरा पंचायत के विकास की मांग तेज, विधानसभा अध्यक्ष से लगाई गुहार

**पंचायत के कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कों, रेलवे अंडरपास निर्माण का सौंपा गया ज्ञापन**

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड की भेटौरा पंचायत में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की मांग अब विधानसभा तक पहुंच गई है। पंचायत के मुखिया दिलीप प्रसाद यादव ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को ज्ञापन सौंपकर पंचायत की वर्षों पुरानी विकास संबंधी मांगों पर शीघ्र पहल करने का अनुरोध किया। ज्ञापन में सड़क, पुल-पुलिया और रेलवे अंडरपास निर्माण को प्राथमिकता देने की मांग की गई है। मुखिया दिलीप यादव ने बताया कि भेटौरा से गोयनिया अनुसूचित जाति टोला, इटाडीह से बभनिमा होते हुए बादलबीघा अनुसूचित टोला तथा बुटूबीघा से बीघापर तक सड़क निर्माण लंबे समय से लंबित है। इन मार्गों के अभाव में ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ती है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे विद्यार्थियों, किसानों और मरीजों को सबसे अधिक कठिनाई होती है। ज्ञापन में टनकुप्पा रेलवे स्टेशन के समीप जिअनबीघा, फेरुबिघा और बंसी नाला हाल्ट के पास रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। उनका कहना है कि अंडरपास बनने से लोगों को रेलवे लाइन पार करने के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध होगा और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।मुखिया ने कहा कि प्रस्तावित योजनाओं के पूरा होने से पंचायत के हजारों ग्रामीणों को बेहतर सड़क संपर्क, सुरक्षित आवागमन और विकास की नई सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया।

### स्वच्छता कर्मी छोटन मांझी के निधन से मियां बिगहा में पसरा मातम

**जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार के लिए सरकारी सहायता की उठाई मांग**

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड की जगरनाथपुर पंचायत के मियां बिगहा गांव में उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब पंचायत के स्वच्छता कर्मी छोटन मांझी (45) का रविवार देर रात आकस्मिक निधन हो गया। उनके असमय निधन से न केवल परिवार, बल्कि पूरे गांव में गहरा दुख व्याप्त है। छोटन मांझी अपनी मेहनत और जिम्मेदार कार्यशैली के कारण ग्रामीणों के बीच काफी लोकप्रिय थे।परिजनों ने बताया कि रविवार दिन में उन्हें तेज बुखार आया था। स्थानीय ग्रामीण चिकित्सक से उपचार कराया गया, लेकिन रात में अचानक उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई। परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि कुछ ही देर में उनका निधन हो गया। उनके वेतन से ही परिवार का भरण-पोषण चलता था। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और आर्थिक संकट भी गहरा गया है।

### बकरी चराने के विवाद में रिश्तों पर भारी पड़ा गुस्सा, बहू पर सास का हाथ तोड़ने का आरोप

**अलखडीहा गांव की घटना, 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल**

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गुरपा थाना क्षेत्र की कठौतिया केवाल पंचायत के अलखडीहा गांव में बकरी चराने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि मामूली कहासुनी के दौरान बहू ने अपनी ही सास की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनका बायां हाथ दो जगह से टूट गया। घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है।बताया गया है कि अलखडीहा गांव निवासी सोनवा देवी (65), पति लालकेश्वर यादव, सोमवार रात घर के पास थीं। इसी दौरान बकरी चराने को लेकर परिवार के भीतर विवाद हो को गया। आरोप है कि बहू उषा देवी, पति संदीप प्रसाद ने गुस्से में आकर सास के साथ मारपीट कर दी। पिटाई इतनी गंभीर थी कि सोनवा देवी का बायां हाथ दो स्थानों से फ्रैक्चर हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजनों ने घायल महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया,पीड़िता की ओर से गुरपा थाना में लिखित आवेदन देकर बहू के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

### बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप समिति के शाही निकाय की पहली बैठक संपन्न

बैशाली(एजेंसी) : बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप, वैशाली के प्रबंधन एवं संचालन तथा इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने हेतु कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार के नियंत्रणाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप समिति के गठन एवं निबंधन की स्वीकृति दिनांक 17.06.2026 को आहूत मंत्रिपरिषद की बैठक में प्राप्त होने के उपरांत आज समिति के शासी निकाय की प्रथम बैठक शासी निकाय के अध्यक्ष-सह-विकास आयुक्त, बिहार मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आहूत की गई।

शासी निकाय की बैठक में उक्त समिति का निबंधन सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अंतर्गत कराए जाने का प्रस्ताव अनुमोदित हुआ। साथ ही, निबंधन कार्य का दायित्व बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय- सह-स्मृति स्तूप, वैशाली के अपर निदेशक डॉ. विमल तिवारी को दिए जाने का निर्णय लिया गया।शासी निकाय की बैठक में माह नवम्बर-दिसम्बर, 2026 में इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव का आयोजन किए जाने पर सैद्धांतिक सहमति दी गई। दिनांक 05 अक्टूबर 2025 से दर्शकों के लिए खुले इस परिसर में दिनांक 19 मई 2026 से सशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है तथा औसतन 2500 दर्शकों का आगमन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप परिसर में होता है। दर्शकों की संख्या बढ़ाने हेतु इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने का निदेश भी शासी निकाय के अध्यक्ष द्वारा दिया गया।

बैठक में प्रणव कुमार, सचिव, कला एवं संस्कृति तथा भवन निर्माण विभाग, श्रीमती रचना पाटिल, सचिव (व्यय), वित्त विभाग,अनिमेष पाराशर, सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, श्रीमती वर्षा सिंह, जिला पदाधिकारी, वैशाली, श्रीमती महाश्वेता महारथी, सचिव, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति, कृष्ण कुमार, निदेशक, संग्रहालय, बिहार, डॉ. विमल तिवारी, अपर निदेशक, बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप, वैशाली सहित ऊर्जा विभाग, पर्यटन विभाग तथा प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# सीएमआर जमा में लापरवाही पर डीएम सख्त, बकायेदार पैक्स व राइस मिलरों को अंतिम चेतावनी

गया जी :जिले में कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) जमा कराने का अभियान अंतिम चरण में पहुंच गया है। राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) के गोदामों में अब तक निर्धारित लक्ष्य का लगभग 96 प्रतिशत, यानी 11.24 लाख क्विंटल सीएमआर चावल जमा कराया जा चुका है। लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिए अब 51 हजार क्विंटल चावल जमा होना शेष है जिसके लिए केवल 15 दिन का समय बचा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी पैक्स और राइस मिलरों को जुलाई के अंतिम सप्ताह तक हर हाल में शेष चावल जमा कराने का निर्देश दिया है।इस संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश पर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएमआर जमा की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन निगरानी करने तथा बकायेदार पैक्स और राइस मिलरों से निर्धारित समय के भीतर चावल जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय सीमा के बाद किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होगी।

जिला प्रशासन का कहना है कि सीएमआर जमा करना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। सभी संबंधित पैक्स, राइस मिलरों और अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा जुलाई के अंतिम सप्ताह तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि खाद्यान्न वितरण व्यवस्था सुचारु बनी रहे और जिले की उपलब्धि और मजबूत हो सके।

बकायेदार पैक्स और राइस मिलरों को अंतिम चेतावनी

एसएफसी के जिला प्रबंधक दिग्विजय सिंह ने बताया कि अब तक 11 लाख 24 हजार क्विंटल सीएमआर चावल गोदामों में जमा कराया जा चुका है।

जबकि शेष 51 हजार क्विंटल चावल की आपूर्ति अभी बाकी है। सभी बकायेदार पैक्स और राइस मिलरों को अंतिम चेतावनी देते हुए जल्द से जल्द शेष चावल जमा कराने का निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा का पालन सभी एजेंसियों के लिए अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि जमा किए गए सीएमआर चावल का उपयोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से खाद्यान्न वितरण के साथ-साथ अन्य जिलों की आवश्यकता पूरी करने में किया जा रहा है। अब तक लगभग चार लाख क्विंटल चावल गया जिले के पीडीएस लाभुकों के बीच वितरित किया जा चुका है, जबकि करीब दो लाख क्विंटल चावल भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, कटिहार, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जिलों को भेजा गया है।

# रेल टिकट का अवैध कारोबार से जुड़े युवक को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन आरपीएफ की टीम ने ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रिजर्वेशन काउंटर पर औचक कार्रवाई करते हुए रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान राहुल राज के रूप में हुई है जो गया शहर के बंगला स्थान पहसी वार्ड संख्या-09 का निवासी है। उसके खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जरूरतमंदों से अधिक कमीशन लेकर बनवाता था तत्काल टिकट

आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि जंक्शन के रिजर्वेशन काउंटर पर तत्काल टिकट निर्गत किए जाने के समय टिकट दलाल ऑन की हरकत के बारे में मिली सूचना के आधार आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा निगरानी बढायी गई। यात्रियों को कतारबद्ध कराया जा रहा था। इसी क्रम में टिकट लेकर बाहर निकल रहे एक संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में राहुल राज ने स्वीकार किया कि वह जरूरतमंद लोगों से रेलवे टिकट बुक कराने का ऑर्डर लेकर टिकट के वास्तविक मूल्य से 200 से 500 रुपये तक अतिरिक्त कमीशन वसूलता था। उसने बताया कि 14 जुलाई को चार लोगों के लिए तत्काल टिकट बनवाया था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दानापुर से सिकंदराबाद जाने वाली ट्रेन संख्या 12792 का 15 जुलाई का तत्काल टिकट जिसकी कीमत 9,780 रुपये है तथा एक पोको कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके बाद आरपीएफ पोस्ट गया में उप निरीक्षक मृत्युंजय कुमार अकेला की लिखित शिकायत पर कांड संख्या 1965/2026 दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई।

### पटना के चर्चित बंटी यादव अपहरण-हत्याकांड का खुलासा: अवैध शराब की कमाई में हिस्सेदारी बना हत्या की वजह, 5 आरोपी गिरफ्तार

पटना, (एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना के चर्चित बंटी यादव अपहरण एवं हत्याकांड का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि अवैध शराब के कारोबार से होने वाली कमाई में हिस्सेदारी को लेकर हुए विवाद के कारण बंटी यादव की हत्या की गई थी। इस मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य) ममता कल्याणी ने बताया कि जक्कनपुर थाना क्षेत्र के न्यू करबिगहिया निवासी किरण देवी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, उनका 25 वर्षीय बेटा बंटी यादव 6 जुलाई की रात अपनी चाउमीन-मंचूरियन की दुकान बंद करने के बाद पटना जंक्शन स्थित दूध मंडी दही लेने गया था। वहीं से रविश कुमार उर्फ बीसी, रोहित कुमार और अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उसका अपहरण कर लिया। घटना का एक वीडियो भी पुलिस के हाथ लगा था, जिसके आधार पर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (विधि-व्यवस्था-01) कृष्ण मुरारी प्रसाद के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच के लिए अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण, तकनीकी जांच और विशेष छापेमारी सहित चार अलग-अलग टीमें बनाई गईं। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 जुलाई को ही रोहित कुमार, बजरंगी कुमार और रवि कुमार उर्फ बीसी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

### पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: केवल मुंह से शराब की गंध आने के आधार पर नहीं छीनी जा सकती नौकरी, बर्खास्त एएसआई की बहाली बरकरार

पटना, (एजेंसी) : बिहार में शराबबंदी कानून से जुड़े मामलों पर पटना हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल किसी व्यक्ति के मुंह से शराब की गंध आने को शराब सेवन का अंतिम और पर्याप्त प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर किसी सरकारी कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त करना कानूनन उचित नहीं है।मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी मदन राय और न्यायमूर्ति सोनी श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए पहले दिए गए एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा। अदालत ने बर्खास्त किए गए पुलिस अधिकारी की बहाली के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

मामले में याचिकाकर्ता धर्मराज सिंह करीब 32 वर्षों तक पुलिस विभाग में सेवा देने के बाद मोतिहारी पुलिस लाइन की रिजर्व फोर्स में सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) के पद पर तैनात थे। विभागीय औचक निरीक्षण के दौरान उनके मुंह से शराब की गंध आने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई।

गिरफ्तारी के बाद उनका ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया गया, लेकिन रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि शरीर में शराब की कितनी मात्रा पाई गई। साथ ही शराब सेवन की पुष्टि के लिए न तो रक्त परीक्षण कराया गया और न ही मूत्र परीक्षण। विभागीय कार्रवाई के दौरान धर्मराज सिंह ने अपने जवाब में कहा था कि वे खांसी की दवा और अन्य दवाइयों का सेवन कर रहे थे, जिनमें अल्कोहल की मात्रा होने के कारण उनके मुंह से शराब जैसी गंध आ रही थी। हालांकि विभाग ने उनके इस स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया और उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया।

# गांवों में बेहतर इलाज की पहल, आधुनिक चिकित्सा की नई जानकारी से रूबरू हुए चिकित्सक

**प्रेम फार्मा के तकनीकी संवाद में सैकड़ों ग्रामीण चिकित्सकों ने लिया भाग**

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और चिकित्सकों को आधुनिक उपचार पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को फतेहपुर स्थित प्रेम फार्मा के सभागार में तकनीकी चिकित्सकीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड समेत आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण चिकित्सकों ने भाग लेकर नई चिकित्सा तकनीकों और दवाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त की।संवाद कार्यक्रम में दवा विशेषज्ञों ने सामान्य एवं मौसमी बीमारियों के उपचार में उपयोगी नई दवाओं, उनकी प्रभावशीलता, सही डोज, सुरक्षित उपयोग और संभावित लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर बताया कि उचित दवा चयन और सही मात्रा मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कम खर्च में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के प्रभावी उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेम फार्मा के संचालक अमर ने कहा कि ग्रामीण चिकित्सक स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। दूरदराज के गांवों में सबसे पहले मरीज इन्हीं तक पहुंचते हैं। ऐसे में समय-समय पर आयोजित तकनीकी संवाद और प्रशिक्षण कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञान एवं कार्यकुशलता को अद्यतन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसका सीधा लाभ ग्रामीण मरीजों को मिलता है। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने विशेषज्ञों से विभिन्न चिकित्सकीय विषयों पर सवाल पूछे और नई दवाओं के उपयोग, उपचार पद्धतियों तथा मरीजों की देखभाल से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

# टनकुप्पा में चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश पड़ी भारी, आरपीएफ की तत्परता से बचाई गई जान

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया- कोडरमा रेलखंड के टनकुप्पा रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरपीएफ की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू कराया गया। इससे उसकी जान बच गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि घायल युवक मोहम्मद आकिल (22), पिता मोहम्मद आलिम टनकुप्पा थाना क्षेत्र के त्रिलोकीचक गांव का रहने वाला है। वह टनकुप्पा स्टेशन पर पर ट्रेन पकड़ने आया था। गाड़ी संख्या 13305 अप अपने निर्धारित ठहराव के बाद सुबह करीब 9:05 बजे टनकुप्पा स्टेशन से खुल चुकी थी। इसी दौरान पीठ पर बैग लटकाए वह दौड़ते हुए चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगा। संतुलन बिगड़ने से वह फिसलकर ट्रेन के पहिए के समीप जा गिरा, जिससे उसका दाहिना हाथ बांह के पीछे गंभीर रूप से जख्मी हो गया।उन्होंने बताया कि ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के प्रधान आरक्षी विनय कुमार एवं आरक्षी अंकेश कुमार ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल युवक मोहम्मद आकिल की मदद की। मिशन सेवा के तहत एंबुलेंस बुलाकर उसे सामुदायिक अस्पताल टनकुप्पा भेजा गया। युवक के साथ उसके परिजन मोहम्मद शरीफ सहित अन्य लोग भी मौजूद थे। परिजनों ने बताया कि आकिल मजदूरी करने के लिए गया जा रहा था। उसके पास रेलवे टिकट नहीं था।

# फरार आरोपितों पर पुलिस का शिकंजा, दो घरों पर चस्पा किया न्यायालय का इश्तेहार

**बरचैता और नौडीहा गांव में न्यायालय के आदेश पर हुई कार्रवाई**

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपितों के खिलाफ टनकुप्पा थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के बरचैता और नौडीहा गांव पहुंचकर दोनों आरोपितों के घरों पर इश्तेहार चस्पा किया तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि बरचैता गांव निवासी अमित कुमार और नौडीहा गांव निवासी रामदेव यादव के विरुद्ध टनकुप्पा थाना में पूर्व से प्राथमिकी दर्ज है। दोनों आरोपित लंबे समय से फरार हैं और न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहे थे। इसके बाद न्यायालय के आदेश के आलोक में उनके घरों पर इश्तेहार चस्पा करने की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि यदि दोनों आरोपित निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई, जिसमें कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया भी शामिल हो सकती है। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार आरोपितों में हड़कंप मचा हुआ है।

## संपादकीय

# दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दर-असल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुक्सान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा।

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं।

: अज्ञात

जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी हो ही नहीं सकता।

: प्रेमचंद

# युवाओं को रोजगारोन्मुखी दक्षताओं से सशक्त बनाने का समय

एआई युग में सफलता की नई भाषा है कौशल

(विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) पर विशेष)

दुनिया आज चौथी औद्योगिक क्रांति के ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, बिग डेटा, ग्रीन टेक्नोलॉजी और डिजिटल अर्थव्यवस्था पारंपरिक रोजगार व्यवस्था को तेजी से बदल रही हैं। अब केवल शैक्षणिक डिग्री किसी युवा के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी नहीं रह गई है बल्कि सफलता का आधार वह कौशल बन गया है, जो बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढ़ालने की क्षमता प्रदान करता है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए तकनीकी दक्षता, डिजिटल साक्षरता, नवाचार, उद्यमिता, संचार, नेतृत्व, समस्या समाधान तथा सामाजिक-भावनात्मक कौशल पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। इसी सोच को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 15 जुलाई को ह्यविश्व युवा कौशल दिवसह्न मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में इस दिवस की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया था कि यदि विश्व को सतत विकास, समावेशी आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करनी है तो युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा रोजगारोन्मुखी कौशल उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। तभी से यह दिवस सरकारों, उद्योगों, शिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण संगठनों और युवाओं के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

विश्व युवा कौशल दिवस 2026 का विषय है ह्यसाझा भविष्य के लिए कौशलह्न। यह विषय केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि ऐसे संतुलित कौशल विकसित करने पर बल देता है, जिनसे युवा तकनीकी परिवर्तन, जलवायु संकट, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए एक समावेशी, टिकाऊ और शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण कर सकें। इस वर्ष विशेष रूप से तकनीकी, डिजिटल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित अर्थव्यवस्था, सामाजिक-भावनात्मक तथा नागरिक जिम्मेदारी से जुड़े कौशलों पर जोर दिया जा रहा है। आज विश्व में लगभग 1.2 अरब युवा हैं, जो मानव इतिहास की सबसे बड़ी युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसंख्या विश्व के लिए सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि इन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और सम्मानजनक रोजगार प्राप्त होता है तो यही युवा वैश्विक आर्थिक विकास के सबसे बड़े प्रेरक बन सकते हैं लेकिन यदि वे बेरोजगारी, अल्परोजगार और कौशल की कमी से जूझते रहे तो यह सामाजिक असंतोष, आर्थिक असमानता और विकास की गति में बाधा का कारण बन सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में करोड़ों युवा या तो बेरोजगार हैं अथवा ऐसे कार्यों में लगे हैं, जहां उन्हें पर्याप्त आय और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नहीं होती। बड़ी संख्या में युवा अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं जबकि शिक्षा पूरी करने के बाद स्थायी रोजगार प्राप्त करने में उन्हें औसतन एक वर्ष से अधिक समय लग जाता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि शिक्षा और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है। केवल डिग्री आधारित शिक्षा युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं दिला पा रही जबकि उद्योगों की मांग तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में अनेक पारंपरिक नौकरियां समाप्त होंगी और उनकी जगह नई प्रकार की नौकरियां जन्म लेंगी। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्टों के अनुसार एआई, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्किटिंग, हरित ऊर्जा, इलैक्ट्रिक मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर, ड्रोन तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर विकसित होंगे। ऐसे में युवाओं को केवल तकनीकी ज्ञान नहीं बल्कि आजीवन सीखते रहने की मानसिकता विकसित करनी होगी।

वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य संस्कृति को सबसे तेजी से प्रभावित करने वाली तकनीक बन चुकी है। अनेक नियमित कार्य अब एआई आधारित प्रणालियां करने लगी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे बल्कि रोजगार का स्वरूप बदलेगा। भविष्य उन्हीं युवाओं का होगा, जो एआई का उपयोग करना, डेटा का विश्लेषण करना, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करना तथा नई तकनीकों के साथ स्वयं को लगातार अद्यतन रखना सीखेंगे। इसलिए एआई साक्षरता अब केवल इंजीनियरों की आवश्यकता नहीं बल्कि लगभग प्रत्येक पेशे की अनिवार्यता बनती जा रही है। इसी प्रकार जलवायु परिवर्तन ने भी रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, सतत कृषि तथा हरित निर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि इस वर्ष के विषय में पर्यावरणीय और हरित कौशलों को भी विशेष महत्व दिया गया है। भविष्य की अर्थव्यवस्था केवल डिजिटल ही नहीं बल्कि ग्रीन भी होगी और युवाओं को दोनों क्षेत्रों में दक्ष बनना होगा।

तकनीकी दक्षताओं के साथ-साथ सामाजिक-भावनात्मक कौशलों का महत्व भी तेजी से बढ़ा है। प्रभावी संवाद, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, समय प्रबंधन, तनाव से निपटने की क्षमता, नैतिक निर्णय, विविधता का सम्मान तथा नागरिक उत्तरदायित्व जैसे गुण किसी भी युवा को बेहतर पेशेवर और बेहतर नागरिक बनाते हैं। उद्योग जगत भी अब ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता देता है, जिनमें तकनीकी दक्षता के साथ व्यवहारिक क्षमता का संतुलन हो। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि देश विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। भारत की औसत आयु लगभग 29 वर्ष है और आने वाले वर्षों में करोड़ों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करेंगे। यदि उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तो भारत विश्व का सबसे बड़ा कुशल मानव संसाधन केंद्र बन सकता है। यही भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति को वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलने का मार्ग है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारंभ की, जिसके माध्यम से युवाओं को विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अल्पकालिक प्रशिक्षण, मूल्यांकन तथा प्रमाणन उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त स्किल इंडिया मिशन, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), जन शिक्षण संस्थान, आईटीआई, पॉलिटेक्निक संस्थान, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया तथा मेक इन इंडिया जैसी अनेक पहलें युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी विद्यालय स्तर से ही व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, कौशल आधारित शिक्षण तथा बहुविषयक शिक्षा पर बल देकर शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी कम करने का प्रयास किया है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच मजबूत साझेदारी विकसित हो ताकि प्रशिक्षण सीधे रोजगार की आवश्यकताओं से जुड़ सके। ग्रामीण भारत के लिए कौशल विकास का महत्व और भी अधिक है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से जुड़े लाखों युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाएं, पर्यटन, हस्तशिल्प तथा सूक्ष्म उद्यमों से संबंधित प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण पलायन भी कम होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। महिलाओं और दिव्यांग युवाओं को कौशल विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी समय की आवश्यकता है। डिजिटल प्रशिक्षण, ऑनलाइन शिक्षा और दूरस्थ कार्य की बढ़ती संभावनाओं ने उनके लिए नए अवसर खोले हैं। यदि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लैंगिक समानता, सुलभ अवसंरचना और वित्तीय सहायता सुनिश्चित की जाए तो कौशल विकास सामाजिक समावेशन का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

आज उद्योग जगत भी केवल नौकरी देने वाला नहीं बल्कि कौशल निर्माण का सक्रिय भागीदार बनता जा रहा है। उद्योग-शिक्षा साझेदारी, अप्रेंटिसशिप, ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग, लाइव प्रोजेक्ट, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और डिजिटल प्रमाणन जैसी व्यवस्थाएं युवाओं को वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान कर रही हैं। इसी प्रकार ऑनलाइन शिक्षण मंचों और डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि कौशल विकास केवल आर्थिक समृद्धि का साधन नहीं बल्कि शांति, सामाजिक न्याय और सतत विकास की आधारशिला भी है। हिंसक संघर्ष, आर्थिक असमानता, डिजिटल विभाजन और जलवायु संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान तभी संभव है, जब युवा जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनें और उनके भीतर तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय संवेदनाएं भी विकसित हों। इसलिए कौशल विकास को केवल रोजगार कार्यक्रम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के व्यापक अभियान के रूप में देखना होगा। भविष्य किसी एक देश, एक उद्योग या एक तकनीक का नहीं बल्कि साझा सहयोग, साझा नवाचार और साझा जिम्मेदारी का होगा। इस साझा भविष्य के निर्माण में युवा सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं और उन्हें ऐसे कौशलों से सशक्त बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जो उन्हें आत्मनिर्भर, नवाचारी, रोजगारोन्मुखी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक बना सकें।

श्वेता गोयल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# एस.जानकी स्वर की वह नदी, जो बीस भाषाओं में बहती रही

भारतीय सिनेमा के विशाल संगीत-आकाश का एक ऐसा नक्षत्र 11 जुलाई 2026 को अस्त हो गया, जिसकी चमक लगभग सात दशकों तक करोड़ों श्रोताओं के हृदय में बनी रही। दक्षिण भारतीय सिनेमा की महान पार्श्वगायिका एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में निधन केवल एक कलाकार का अवसान नहीं है, बल्कि भारतीय संगीत की उस जीवंत परंपरा का एक भावुक विराम है, जिसने भाषा, प्रदेश और संस्कृति की सीमाओं को अपनी आवाज से निरर्थक बना दिया था।

23 अप्रैल 1938 को जन्मी सिस्तला श्रीराममूर्ति जानकी, जिन्हें पूरा देश स्नेह से जानकी अम्मा कहता था, भारतीय पार्श्वगायन की उन विरल विभूतियों में थीं, जिनकी आवाज ने अनेक पीढ़ियों की भावनाओं को स्वर दिया। उन्होंने कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी, उड़िया, उर्दू, संस्कृत, तुलु, कोंकणी, बंगाली और अन्य भारतीय भाषाओं सहित लगभग बीस भाषाओं में 48 हजार से अधिक गीत रिकॉर्ड किए। यह उपलब्धि केवल एक सांख्यिकीय रिकॉर्ड नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विविधता के साथ उनके अद्भुत संवाद का प्रमाण है।

भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास में बहुत कम कलाकार ऐसे हुए हैं, जिन्होंने भाषाओं की सीमाओं को इतनी सहजता से पार किया हो। जिस तरह उत्तर भारत में लता मंगेशकर और आशा भोसले का नाम आदर से लिया जाता है, उसी तरह दक्षिण भारत में एस. जानकी श्रद्धा और सम्मान की प्रतीक थीं। अनेक संगीत प्रेमी उनकी तुलना आशा भोसले से करते रहे, किंतु वास्तव में जानकी ने अपनी अलग गायकी और स्वर-संवेदना से स्वयं की विशिष्ट पहचान बनाई।

उनका पार्श्वगायन का सफर 1957 में तमिल फिल्म विधियिन विलायट्टू से शुरू हुआ। उसी वर्ष उन्होंने मलयालम फिल्मों में भी गाना आरंभ किया और देखते ही देखते छह अलग-अलग भारतीय भाषाओं में गीत रिकॉर्ड कर भारतीय संगीत जगत को अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दे दिया। यह एक ऐसे करियर की शुरूआत थी, जो आने वाले साठ वर्षों तक निरंतर नई ऊँचाइयाँ छूता रहा।

सत्तर का दशक आते-आते एस. जानकी मलयालम फिल्म उद्योग की सबसे लोकप्रिय महिला गायिका बन चुकी थीं। उस दौर के लगभग सभी प्रमुख संगीतकारों के साथ उन्होंने काम किया और ऐसे गीत गाए जो आज भी केरल के सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी आवाज में एक साथ मिठास, करुणा, चंचलता और गहरी भावुकता का अद्भुत संगम था। यही कारण था कि प्रेम, विरह, भक्ति, लोकधुन या शास्त्रीयता–हर भाव उनकी आवाज में सहज रूप से जीवित हो उठता था।

1970 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ गायिका का पहला केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद लगभग डेढ़ दशक तक इस सम्मान पर उनका लगभग एकछत्र अधिकार रहा। आगे चलकर उन्होंने विभिन्न राज्यों के कुल 33 राज्य फिल्म पुरस्कार और चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कारों की यह लंबी सूची केवल उनकी लोकप्रियता का प्रमाण नहीं, बल्कि उस कलात्मक उत्कृष्टता की स्वीकृति थी, जिसे उन्होंने जीवनभर साधना की तरह निभाया।

एस. जानकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी आवाज की बहुरंगी प्रकृति थी। वे किसी किशोरी की मासूमियत भी गा सकती थीं और जीवन के संघर्षों से गुजरती स्त्री का दर्द भी। लोकधुनों में जितनी सहज थीं, उतनी ही शास्त्रीयता पर आधारित कठिन रचनाओं में भी। उनकी आवाज पात्र के भावों के साथ स्वयं को इस तरह ढाल लेती थी कि श्रोता केवल गीत नहीं सुनता था, बल्कि उस चरित्र की आत्मा को महसूस करने लगता था।

दक्षिण भारत में उन्हें केवल एक गायिका नहीं, बल्कि स्वर कोकिला माना जाता था। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई पीढ़ियों के संगीतकार–चाहे वे एम. एस. विश्वनाथन हों, के. वी. महादेवन, इलैयाराजा हों या ए. आर. रहमान–सभी ने उनकी असाधारण प्रतिभा पर भरोसा किया। हर दौर के संगीत में उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और हर नई पीढ़ी के साथ स्वयं को नए ढंग से प्रस्तुत किया।

यही कारण है कि एस. जानकी का निधन भारतीय संगीत जगत के लिए केवल एक शोक समाचार नहीं, बल्कि एक ऐसे युग का अवसान है, जिसने संगीत को भाषा से ऊपर उठाकर भावनाओं की सार्वभौमिक अभिव्यक्ति बना दिया।

दक्षिण भारतीय सिनेमा में एस. जानकी केवल एक पार्श्वगायिका नहीं थीं, बल्कि वे संगीतकारों की पहली पसंद थीं। चाहे एम. एस. विश्वनाथन हों, इलैयाराजा, के. वी. महादेवन या ए. आर. रहमान–हर पीढ़ी के संगीतकारों ने उनकी आवाज की विलक्षण क्षमता का भरपूर उपयोग किया। वे किसी भी रचना में अपनी आवाज को इस तरह ढाल देती थीं कि श्रोता को केवल गीत का भाव सुनाई देता था, गायिका का प्रदर्शन नहीं।

इलैयाराजा के साथ उनकी जोड़ी भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती है। प्रेम, विरह, भक्ति, लोकधुन, लोरी और शास्त्रीयता–हर रंग में उन्होंने ऐसी अमिट छाप छोड़ी कि अनेक गीत आज भी नए लगते हैं। उनकी गायकी में तकनीकी पूर्णता थी, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण था भावों का सहज प्रवाह।

एस. जानकी ने लगभग पाँच दशकों तक दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी। उनकी आवाज कभी किशोरी की मासूमियत बन जाती, कभी माँ की ममता, कभी विरहिणी की पीड़ा और कभी आत्मविश्वास से भरी आधुनिक स्त्री की अभिव्यक्ति। यही कारण था कि वे केवल गाने नहीं गाती थीं, बल्कि पात्रों के भीतर की संवेदना को स्वर देती थीं।

हिंदी फिल्मों में उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन जितने भी गीत उन्होंने गाए, वे अपनी अलग पहचान छोड़ गए। बोल बेबी बोल रॉक एन रोल, यार बिना चैन कहाँ रे जैसे गीतों ने यह सिद्ध किया कि यदि उन्हें हिंदी सिनेमा में अधिक अवसर मिले होते तो वे वहाँ भी उतनी ही लोकप्रिय होतीं। चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और अनेक राज्य स्तरीय सम्मान उनकी प्रतिभा की औपचारिक स्वीकृति थे। उन्होंने 2013 में पद्म भूषण स्वीकार करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि यह सम्मान उन्हें बहुत देर से दिया जा रहा है। इस निर्णय ने उनके स्वाभिमानी व्यक्तित्व को भी रेखांकित किया।

कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## सूडोकु नवताल- 7573

★★★✯☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7572 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 6 | 4 | 7 |
| 9 | 6 | 4 | 7 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 2 | 8 | 3 | 9 |
| 3 | 2 | 5 | 1 | 9 | 7 | 4 | 6 | 8 |
| 1 | 8 | 9 | 6 | 4 | 3 | 7 | 2 | 5 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 8 | 5 | 1 | 9 | 3 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 7 | 2 |
| 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 1 | 6 |
| 7 | 5 | 1 | 9 | 2 | 6 | 3 | 8 | 4 |

## दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति




| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मिथुन में | कर्क | 05.35 बजे से |
| चंद्र | कर्क में | सिंह | 07.51 बजे से |
| मंगल | वृष में | कन्या | 10.03 बजे से |
| बुध | मिथुन में | तुला | 12.13 बजे से |
| गुरु | कर्क में | वृश्चिक | 14.28 ब.से |
| शुक्र | सिंह में | धनु | 16.44 बजे से |
| शनि | मीन में | मकर | 18.49 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कुंभ | 20.36 बजे से |
| केतु | सिंह में | मीन | 22.09 बजे से |
| राहुकाल | | मेष | 23.39 बजे से |
| 12.00 से 1.30 बजे तक | | वृष | 01.19 बजे से |
| | | मिथुन | 03.17 बजे से |

**बुधवार** 2026 वर्ष का 196 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** प्रतिपदा 11.52 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पुष्य 21.47 बजे को समाप्त।
**योग** हर्षण 08.05 बजे तदनन्तर वज्र 04.31 बजे प्रात: को समाप्त।
**करण** बव 11.52 बजे तदनन्तर बालव 22.19 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 0.6 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 33'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872771
**जूलियन दिन** 2461236.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** मोहर्रम **तारीख** 29
**विशेष** चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारम्भ।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# भारत न्यूजीलैंड संबंधों का नया स्वर्णिम अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ने भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को औपचारिक रूप से सामरिक साझेदारी का स्वरूप देते हुए भारत न्यूजीलैंड सामरिक साझेदारी रोडमैप 2030 को मंजूरी दी है। इसके साथ रक्षा व्यापार समुद्री सुरक्षा खेल पशुपालन आपदा प्रबंधन आतंकवाद विरोधी सहयोग तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े कुल 18 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह केवल दो देशों के बीच सहयोग का विस्तार नहीं बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीतिक पहल भी मानी जा रही है।

ऑकलैंड में आयोजित शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच व्यापक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना साझेदारी और विश्वास के आधार पर ही किया जा सकता है। इसी सोच के साथ दोनों देशों ने नियमित उच्चस्तरीय वार्ता विदेश मंत्रियों की वार्षिक बैठक और संसदों के बीच संवाद को मजबूत करने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में न्यूजीलैंड की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड केवल प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सामाजिक समरसता सांस्कृतिक विविधता और मानवीय मूल्यों के लिए भी पूरी दुनिया में अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के लोग जिस सम्मान और सौहार्द के साथ रहते हैं वह पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा है। उन्होंने न्यूजीलैंड की सामाजिक व्यवस्था को संतुलित समावेशी और आधुनिक बताते हुए कहा कि यह देश विकास और मानवीय मूल्यों के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित करने में सफल रहा है।

मोदी ने विशेष रूप से वहां बसे भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड में भारतीय संस्कृति को सम्मान मिला है और भारतीय परंपराओं ने स्थानीय समाज के साथ सुंदर समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ऑकलैंड में गांधी रोड महात्मा गांधी सेंटर और भारत से जुड़े अनेक सांस्कृतिक स्थलों के साथ भारतीय समुदाय की सक्रिय उपस्थिति यह दशार्ती है कि दोनों देशों के संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं बल्कि लोगों के दिलों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई स्थानों पर भारतीय शहरों और महापुरुषों के नाम दिखाई देते हैं जो भारतीय विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं और यह दृश्य उन्हें अत्यंत अद्भुत लगा।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वयं को ढालने वाला एक निराला देश है। यहां भारतीय पर्व उत्साह के साथ मनाए जाते हैं भारतीय भोजन लोकप्रिय है और भारतीय भाषाओं तथा परंपराओं को भी सम्मान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह अपनापन दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाता है।अपने सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अत्यंत विनम्रता के साथ कहा कि उन्हें जो भी सम्मान मिला है वह व्यक्तिगत नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं उसकी सांस्कृतिक विरासत और विश्व बंधुत्व की भावना का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रत्येक भारतीय को समर्पित है जिसने अपने परिश्रम और संस्कारों से दुनिया में भारत की सकारात्मक पहचान बनाई है।प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लक्सन दूरदर्शी नेतृत्व वाले ऐसे जननेता हैं जो भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई दिशा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि लक्सन के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच विश्वास सहयोग और मित्रता का नया युग प्रारंभ हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका नेतृत्व आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाएगा।शिखर वार्ता के दौरान रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर विशेष बल दिया गया। वर्ष 2025 के रक्षा सहयोग समझौते को प्रभावी ढंग से लागू करने पर सहमति बनी। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों और तीनों सेनाओं के बीच नियमित संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया गया। समुद्री सुरक्षा आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध संयुक्त प्रयासों को और मजबूत बनाने पर भी सहमति बनी। हिंद प्रशांत क्षेत्र में वार्षिक समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू करने का फैसला इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय वस्तु और सेवा व्यापार को सात अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र लागू करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर दोनों पक्षों ने विशेष जोर दिया। इससे कृषि डेयरी शिक्षा सूचना प्रौद्योगिकी पर्यटन और निवेश जैसे क्षेत्रों में व्यापक अवसर खुलने की उम्मीद है।

खेल शिक्षा विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। दोनों देशों ने छात्र आदान प्रदान अनुसंधान और नई तकनीकों के विकास में साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों को भी नई गति देने पर सहमति बनी।वैश्विक स्तर पर न्यूजीलैंड ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन दोहराया। यह भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और दोनों देशों के मजबूत विश्वास का प्रमाण माना जा रहा है। दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति सुरक्षा और स्थिरता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।भारत और न्यूजीलैंड के संबंध लंबे समय से लोकतांत्रिक मूल्यों कानून के शासन और साझा मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित रहे हैं। अब रोडमैप 2030 और सामरिक साझेदारी के माध्यम से इन संबंधों को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिली है।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में बारिश का कहर, दुनिया की सबसे बड़ी शालिग्राम शिला जलमग्न, श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद

**काठमांडू।** नेपाल में लगातार दो दिन से हो रही बारिश के कारण पर्वत, स्याङ्जा और गुल्मी जिलों के संगम स्थल पर स्थित दुनिया की सबसे बड़ी शालिग्राम शिला बाढ़ के पानी में डूब गई है। काली गण्डकी नदी और सेती नदी का जलस्तर बढ़ने से शिला तक जाने वाला मार्ग, निकट स्थित सत्तल और परिक्रमा स्थल भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। शालिग्राम विद्याश्रम के संरक्षक कुलराज तिवारी ने बताया कि काली गण्डकी नदी के बढ़ते जलप्रवाह के कारण शालिग्राम शिला डूब गई है। लगातार बारिश से कालीगण्डकी और सेती नदी दोनों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ा है। सेवा में लगे पुजारी और पंडितों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। वहीं, प्रतिदिन पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भी शालिग्राम शिला के दर्शन से वंचित हो गए हैं। स्थानीय निवासी तिलक पराजुली के अनुसार, सेतीबेनी में मिलने वाली सेती नदी और काली गण्डकी नदी के तेज बहाव से शिला का परिक्रमा स्थल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि शिला क्षेत्र में बाढ़ आने के बावजूद फिलहाल आसपास की बस्ती को तत्काल कोई खतरा नहीं है। पवित्र शालिग्राम शिला के साथ-साथ शालिग्राम क्षेत्र में बने सत्तल सहित सभी संरचनाएं पानी में डूब गई हैं। शिला की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध और गेबियन जाल भी जलमग्न हो गए। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक लगा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि काली गण्डकी 'ए' जलविद्युत परियोजना के बांध के कारण बाढ़ की स्थिति बनने पर पर्वत, स्याङ्जा और गुल्मी की सीमा पर स्थित सेतीबेनी बाजार हर बार डूबने के खतरे में आ जाता है। काली गण्डकी और सेती नदी के बढ़ते जलस्तर से सेतीबेनी बाजार में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है, जिससे पर्वत और स्याङ्जा की ओर स्थित बाजार क्षेत्रों के करीब 200 व्यापारी और स्थानीय निवासी चिंतित हैं। दो वर्ष पहले सावन महीने में आई बाढ़ का पानी बाजार तक पहुंच गया थी, जिसमें एक मकान ढह गया था और आधा दर्जन घरों के लोग विस्थापित हो गए थे। गल्याङ नगरपालिका-5 के वडाध्यक्ष घनश्याम भट्टराई ने कहा कि जब तक काली गण्डकी नदी के प्रवाह की दिशा नहीं बदली जाती, तब तक यह खतरा बना रहेगा। उन्होंने शालिग्राम शिला की सुरक्षा के लिए नदी का बहाव गुल्मी की ओर मोड़ने की मांग भी दोहराई।

### यूरोप में गर्मी: जून के आखिरी सप्ताह में 10 हजार से अधिक लोगों की मौत

**लंदन।** यूरोप में जून के अंत में पड़ी रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी का विनाशकारी प्रभाव अब मौतों के आंकड़ों में भयावह रूप से दिखाई दे रहा है। 22 से 28 जून के बीच, 27 यूरोपीय देशों में कुल 10,650 अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं, जो इस क्षेत्र के लिए एक असामान्य और चिंताजनक आंकड़ा है। इन मौतों में से 9,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की थीं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देती हैं कि भीषण गर्मी ने विशेष रूप से कमजोर आबादी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि साल के इस समय इतनी बड़ी संख्या में अतिरिक्त मौतें होना बिल्कुल भी सामान्य नहीं है और इसका सबसे बड़ा कारण उस दौरान पड़ने वाली अभूतपूर्व हीटवेव ही हो सकती है। ये आंकड़े 27 यूरोपीय देशों से एकत्र किए गए कुल मौतों के रिकॉर्ड पर आधारित हैं, जिनमें सभी कारणों से हुई अतिरिक्त मौतें शामिल हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि उस विशेष अवधि के दौरान ऐसा कोई अन्य बड़ा कारण सामने नहीं आया जिससे मौतों का आंकड़ा अचानक इस हद तक बढ़ जाता। इसलिए, व्यापक रूप से यही माना जा रहा है कि रिकॉर्ड-तोड़ हीटवेव ही इस डेथ स्पाइक की मुख्य वजह थी। वैज्ञानिकों ने बार-बार चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब हीटवेव पहले के मुकाबले ज्यादा बार आ रही हैं और उनकी तीव्रता भी बढ़ गई है, जिससे वे कहीं अधिक खतरनाक हो गई हैं। जून के अंतिम सप्ताह में फ्रांस, स्पेन, ब्रिटेन और यूरोप के कई अन्य देशों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बनाए। कई जगहों पर बिजली आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ा, स्कूलों को बंद करना पड़ा और नागरिकों को घर के अंदर रहने की सख्त सलाह दी गई। ठीक इसी अवधि में मौतों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ गया। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 10,650 अतिरिक्त मौतों में से 9,000 से अधिक मौतें 65 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की थीं। डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक उम्र के लोगों का शरीर अत्यधिक गर्मी को आसानी से झेल नहीं पाता। यदि उन्हें पहले से ही दिल की बीमारी या सांस संबंधी कोई समस्या हो, तो भीषण गर्मी में उनके लिए खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इन आंकड़ों में केवल गर्मी से सीधी मौतें ही नहीं, बल्कि गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण हुई अतिरिक्त मौतें भी शामिल हैं।

### हिसार हवाई अड्डे पर हादसा टला, बंद रन-वे पर उतरा जहाज

**चंडीगढ़।** हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे पर मंगलवार को उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया जब एक प्राइवेट चार्टर प्लेन बंद पड़े रन वे पर लैंड कर गया। हवाई अड्डा अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं, लेकिन इस बारे में अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया गया। नंद किशोर गोयनका का सोमवार को मुंबई में निधन हो गया था। वे 96 वर्ष के थे और पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। हिसार एयरपोर्ट पर जो चार्टर्ड प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसमें पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा की पत्नी सुशीला और परिवार के 6 अन्य लोग सवार थे। वह पिता नंदकिशोर गोयनका के पार्थिव शरीर को मुंबई से हिसार ला रहे थे। खुद सुभाष चंद्रा एयरपोर्ट पर मौजूद थे। जानकारी के अनुसार हरियाणा के पूर्व सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा के पिता नंदकिशोर गोयनका के पार्थिव शरीर को मुंबई से हिसार लाते हुए चार्टर्ड प्लेन मंगलवार को कैट आई रिफ्लेक्टर से टकरा गया। पायलट ने हिसार एयरपोर्ट पर विमान को एयरपोर्ट के चालू रनवे के बजाय गलती से बंद पड़े पुराने रनवे पर लैंड करा दिया था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि प्लेन के पंख (विंग) को चीरती हुई लाइट उसके अंदर तक घुस गई। गनीमत रही कि हादसे में पायलट समेत विमान में सवार सभी 8 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। अभी हादसे पर हिसार एयरपोर्ट अथॉरिटी या अन्य कोई प्रशासनिक पक्ष सामने नहीं आया है। मंगलवार को पार्थिव शरीर को हिसार मोहना मंडी स्थित पैतृक आवास में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। बुधवार को अंतिम संस्कार अग्रोहा धाम में बने गोयनका उद्यान में होगा।

### अरुणाचल में बाढ़ से पारसी-पारलो सर्कल और दामिन में बड़े पैमाने पर नुकसान

**इटानगर।** अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले के पारसी-पारलो सर्कल और दामिन सब-डिविजन में आई अचानक बाढ़ के चलते बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इस घटना से यातायात, सार्वजनिक ढांचा और घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन राहत कार्यों और नुकसान के आकलन के लिए अर्धसैनिक बल, पुलिस, आम जनता और अन्य संबंधित लोगों के लगातार संपर्क में है। कुरुंग कुमे जिला के उपायुक्त चिहुंग चुकू ने मंगलवार को बताया कि दामिन और पारसी-पारलो सर्कल में 13 जुलाई को सुबह करीब 4 बजे अचानक बाढ़ आ गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद, कोलोरियांग स्थित डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर और पारसी-पारलो के एक ट्रेंड कम्युनिटी वॉलंटियर ने पुलिस और लोगों के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। कुमे नदी के ऊपरी इलाकों में लगातार भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई थी। बड़े पैमाने पर आई बाढ़ से कुरुंग कुमे जिले के पारसी-पारलो और दामिन सब-डिविजन में काफी नुकसान हुआ। इस मामले पर कोलोरियांग की उपायुक्त की अध्यक्षता में एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई और इस काम के लिए डिस्ट्रिक्ट क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया। अधिकारियों को स्थिति का जायजा लेने और तालमेल बिठाने के लिए प्रभावित इलाके में जाने का निर्देश दिया गया है। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस और रिजर्व फोर्स को तैनात किया गया। हालांकि, इन घटनाओं में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

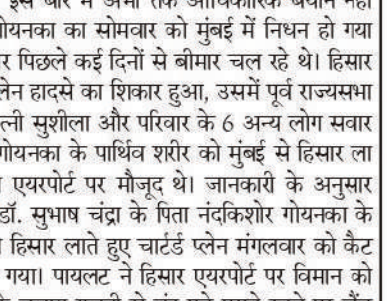

# मुख्यमंत्री विजय ने 'नलम टीएन' वेबसाइट और लोगो किया लॉन्च

एजेंसी, चेन्नई

**♦ 2,144 स्वास्थ्य कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र**

तमिलनाडु सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, आधुनिक और जनसहभागिता आधारित बनाने की दिशा में मंगलवार को महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'नलम टीएन' योजना और उसकी आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने चेन्नई के स्टेट कॉलेज में आयोजित समारोह में योजना की वेबसाइट लॉन्च की तथा इसका आधिकारिक लोगो जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने नव-नियुक्त चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनसे सेवा भावना और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। समारोह में मुख्यमंत्री विजय ने कुल 751 सहायक चिकित्सा अधिकारियों और 1,393 स्वास्थ्य निरीक्षकों सहित 2,144 स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्ति आदेश प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान एक भावुक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब एक दिव्यांग महिला चिकित्सक मंच तक पहुंचने में असमर्थ रहीं। यह देखकर मुख्यमंत्री स्वयं मंच से नीचे उतरकर उनके पास पहुंचे और उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील व्यवहार की समारोह में मौजूद लोगों ने सराहना की।

राज्य सरकार के अनुसार, 'नलम टीएन' योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करना तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। योजना के तहत अस्पतालों में स्वच्छ एवं आधुनिक शौचालयों का निर्माण, चारदीवारी की व्यवस्था, चिकित्सकों एवं नर्सों के लिए आवासीय सुविधाएं विकसित करना, डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ाना तथा कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचा और आधुनिक तकनीक के साथ-साथ चिकित्सा कर्मियों की संवेदनशीलता भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों से अपेक्षा जताई कि वे मरीजों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अरुणराज ने कहा कि स्वास्थ्य निरीक्षक समाज को संक्रामक एवं अन्य बीमारियों से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले अधिकांश मरीज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से होते हैं, जो सरकार पर विश्वास करके इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में डॉक्टरों और स्वास्थ्य निरीक्षकों की जिम्मेदारी केवल चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके व्यवहार और संवेदनशीलता से भी लोगों का विश्वास मजबूत होता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों के प्रति अपनापन, सहानुभूति और सम्मान का भाव ही सरकार की सबसे बड़ी पहचान है।

## उद्धव और केजरीवाल ने सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की

एजेंसी, नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं ने जंतर-मंतर पर 17 दिन से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए उनसे अनशन तोड़ने की अपील की। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने मंगलवार को एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। केजरीवाल ने कहा कि सोनम वांगचुक कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

हम उनकी मांगों का समर्थन करते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि वे गुरुवार को जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक से मिलने जाएंगे और उनसे अपील करेंगे कि वह अपनी भूख हड़ताल अब समाप्त कर दें। वहीं, समर्थकों की ओर से अनशन समाप्त करने की भावुक अपीलों पर वांगचुक ने अडिग रहते हुए कहा, "मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहो। सरकार से पूछो कि वे आखिरकार बातचीत की मेज पर क्यों नहीं आ रहे हैं?" उद्धव ठाकरे, केजरीवाल और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सीजेपी के जंतर-मंतर से संसद तक एक शांतिपूर्ण मार्च का समर्थन करने की बात कही है। आंदोलनकारियों ने देश की जनता से डिजिटल हमदर्दी छोड़कर सड़कों पर उतरने और इस मार्च को सफल बनाने के लिए '70116 70115' पर मिस्ड कॉल देकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि देशभर के छात्र विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है।

## सुंदरपदा बम विस्फोट मामला: भुवनेश्वर में तीन ठिकानों पर एनआईए का छापा

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ओडिशा के सुंदरपदा बम विस्फोट मामले की जांच के तहत मंगलवार को भुवनेश्वर और आसपास के क्षेत्रों में तीन स्थानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान कई डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। एनआईए ने बताया कि तलाशी अभियान उन जानकारियों और साक्ष्यों के आधार पर चलाया गया जो मामले में पहले गिरफ्तार एक आरोपी से प्राप्त हुए थे। जांच एजेंसी ने अन्य तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद इन ठिकानों की पहचान की थी।

मामला 27 जनवरी 2026 को भुवनेश्वर के सुंदरपदा स्थित आजाद नगर कॉलोनी में हुए विस्फोट से जुड़ा है। चार मंजिला इमारत की छत पर चार लोग कथित रूप से बम तैयार कर रहे थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया। इस घटना में चारों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

एनआईए के अनुसार मंगलवार की तलाशी का उद्देश्य बम बनाने में इस्तेमाल किए गए विस्फोटक पदार्थों और अन्य सामग्री के स्रोत का पता लगाना तथा उनके संभावित इस्तेमाल की जांच करना था। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि इन सामग्रियों की खरीद के लिए धन कहां से आया था। यह मामला पहले भुवनेश्वर के एयरफील्ड थाने में दर्ज किया गया था। बाद में अप्रैल 2026 में इसकी जांच एनआईए को सौंप दी गई। एजेंसी मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

## शिवराज सिंह ने बंगाल को जी-राम-जी योजना के लिए किया 8,500 करोड़ का ऐलान

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र को गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को नवान्न में हुई बैठक के बाद बताया कि राज्य में शुरू की गई 125 दिन रोजगार योजना (जी-राम-जी योजना) के तहत न्यूनतम मजदूरी बढ़ा दी गई है। साथ ही योजना के लिए 31 मार्च तक 8,500 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की गई। बैठक के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में अब तक 2.56 करोड़ जॉब कार्ड धारकों की पहचान की जा चुकी है। जिन पात्र लोगों के पास अभी जॉब कार्ड नहीं है, उनके आवेदन भी मंजूर करने के लिए अधिकारियों को नीतिगत निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य को एक लाख नए आवासों की स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अनुरोध पर लाभार्थियों की सूची तैयार करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 अगस्त कर दी गई है, ताकि मानसून और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए सभी पात्र लोगों को शामिल किया जा सके। बैठक में ग्रामीण विकास, कृषि और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई अन्य फैसले भी लिए गए। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्य में 2,400 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है। पहले चरण के लिए 1,000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए राज्य की कृषि योग्य भूमि का वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाएगा। इसके आधार पर विभिन्न जिलों में मिट्टी के अनुरूप फसल उत्पादन की योजना तैयार होगी। इसके लिए चार प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित करने को भी मंजूरी दी गई है। मालदा में आम, लीची और अन्य फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति मिली है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में आलू और जूट के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम हो सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत के लिए पश्चिम बंगाल को बीज उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार, बीरभूम और पुरुलिया जिलों में प्रधानमंत्री धन-धान्य परियोजना लागू करने का निर्णय लिया है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार के कार्यकाल में केंद्र की कई विकास योजनाओं को अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, जिसके कारण रेल, सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग और मेट्रो सहित लगभग 82,492 करोड़ रुपये की आधारभूत संरचना परियोजनाएं वर्षों तक अधूरी रहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है और केंद्र तथा राज्य सरकार मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

## मोहन यादव बुधवार को इंदौर से आबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा का करेंगे शुभारंभ

**मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति से वित्त-पोषित प्रदेश की पहली अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा होगी शुरू**

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार, 15 जुलाई को इंदौर में मप्र नागरिक विमानन नीति-2025 से वित्त पोषित प्रदेश की पहली अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा इंदौर से आबू धाबी का शुभारंभ करेंगे। यह उड़ान प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी आबू धाबी से सीधे जोड़ेगी। जनसम्पर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि टाटा समूह की विमानन इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित यह सेवा सप्ताह में चार दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार) को उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि इंदौर से आबू धाबी हवाई सेवा प्रारंभ होने से मालवा-निमाड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। वर्तमान में इस मार्ग पर यात्रियों को दिल्ली अथवा मुंबई के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे लगभग 7 से 8 घंटे का समय लगता है। नई उड़ान शुरू होने से यह यात्रा लगभग 3 घंटे 15 मिनट में पूरी हो सकेगी। इससे व्यापार, निवेश, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, राज्य सरकार नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश में हवाई संपर्क का निरंतर विस्तार कर रही है। नीति के अंतर्गत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से चार पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं और शेष मार्गों पर भी शीघ्र सेवाएं शुरू की जाएंगी। इंदौर-आबू धाबी हवाई सेवा का शुभारंभ होने से भविष्य में नए अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू हवाई मार्गों के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के विमानन इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लागू मप्र नागरिक विमानन नीति-2025 में नवीन घरेलू हवाई मार्गों के विकास के लिए 10 लाख रुपये तक तथा अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए 15 लाख रुपये तक वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) सहायता का प्रावधान किया गया है। राज्य के हवाई अड्डों पर रात्रि पार्किंग करने वाले विमानों के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर वैट की प्रभावी दर एक प्रतिशत निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजनाओं के लिए 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा एयर कार्गो परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सिमुलेटर स्थापित करने वाले उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) को 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी तथा गैर-सिम्युलेटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए फीस का 60 प्रतिशत, अधिकतम एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है।

## करीब 20 साल बाद पश्चिम बंगाल लौटेंगी तसलीमा नसरीन

एजेंसी, कोलकाता

**♦ एक अगस्त को रवींद्र सदन में कार्यक्रम**

करीब 20 वर्षों बाद चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन पश्चिम बंगाल लौटने जा रही हैं। वह आगामी एक अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। कार्यक्रम का आयोजन कई सामाजिक संगठनों की ओर से किया जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के साथ-साथ राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में तसलीमा नसरीन की रचनाओं, कविताओं और गीतों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक मोहित राय ने कहा कि तसलीमा के पश्चिम बंगाल आने पर कोई कानूनी रोक नहीं है। उनका आरोप है कि पूर्ववर्ती सरकारों ने कट्टरपंथी दबाव के कारण उन्हें राज्य में आने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरी तरह सांस्कृतिक है और इसका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है।

मोहित राय ने बताया कि तसलीमा नसरीन की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार से आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन मिला है। सुरक्षा के मद्देनजर विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

## पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसे की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसे की जांच के लिए पुणे डिविजनल कमिश्नर शीतल तेली-उगाले की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह कमेटी कचरे के ढेर के ढहने के मुख्य कारणों का पता लगाएगी और तकनीकी पहलुओं की जांच करेगी।

महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 8 जुलाई को मोशी वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट में हुए हादसे की जांच के लिए छह सदस्यों वाली एक हाई-लेवल टेक्निकल कमेटी बनाई गई है। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई थी। कमेटी इस आपदा का कारण बनी कमियों के लिए जिम्मेदारी तय करेगी और जिम्मेदार अधिकारियों, ठेकेदारों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

इस उच्च स्तरीय समिति को एक महीने के भीतर शुरुआती रिपोर्ट देने और दो महीने के भीतर अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। अंतिम रिपोर्ट में जिम्मेदार लोगों की स्पष्ट पहचान करनी होगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करनी होगी। इस समिति में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नामित एक क्षेत्रीय अधिकारी, आईआईटी बॉम्बे के प्रो. डी.एन. सिंह (जियोटेक्निकल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ), प्रो. अनिल कुमार दीक्षित (पर्यावरण इंजीनियरिंग और ठोस कचरा प्रबंधन के विशेषज्ञ) और पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के सहायक आयुक्त (आपदा प्रबंधन) शामिल होंगे, जो सदस्य सचिव के रूप में काम करेंगे।

## बेंगलुरु में देश का पहला सरकारी नेतृत्व वाला एआई विश्वविद्यालय स्थापित होगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आयोजित गूगल आई/ओ कनेक्ट इंडिया–2026 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य सरकार कर्नाटक को भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार एआई आधारित शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वाकांक्षी पहल शुरू करने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु का दुनिया के शीर्ष पांच एआई शहरों में शामिल होना और भारत के लगभग 40 प्रतिशत यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का कर्नाटक में होना राज्य की प्रतिभा, मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमशीलता क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक लंबे समय से देश के प्रौद्योगिकी क्षेत्र का नेतृत्व कर रहा है और अब राज्य का लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान स्थापित करना है। डी.के. शिवकुमार ने घोषणा की कि राज्य सरकार देश का पहला सरकारी नेतृत्व वाला एआई विश्वविद्यालय और एआई नवाचार केंद्र स्थापित करेगी। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्कूल स्तर से ही विद्यार्थियों को एआई की शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि नई पीढ़ी उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एआई आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करने के लिए कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों तथा बेंगलुरु के निकट अत्याधुनिक हरित (ग्रीन) डेटा सेंटर विकसित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से राज्य की डिजिटल अवसंरचना सुदृढ़ होगी और उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की 'बियॉन्ड बेंगलुरु' पहल के तहत मैसूरु, मंगलुरु, हुब्बली-धारवाड़, बेलगावी और कलबुर्गी को विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे बेंगलुरु पर दबाव कम होगा और राज्य के अन्य क्षेत्रों के युवाओं को भी वैश्विक स्तर के रोजगार, निवेश और नवाचार के अवसर मिलेंगे।

डी.के. शिवकुमार ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उद्देश्य मानव का स्थान लेना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर और अधिक सुविधाजनक बनाना है। राज्य सरकार किसानों के लिए कन्नड़ भाषा में एआई आधारित कृषि परामर्श सेवाएं विकसित करेगी। इसके अलावा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

15-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 15-07-2026 07:31 Page 1



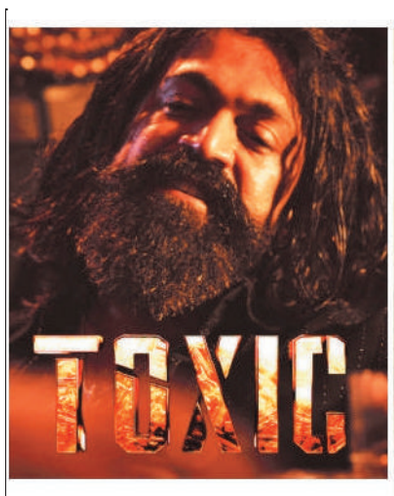


## 'टॉक्सिक' से नहीं होगा 'द वन' का टकराव; सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। आज गुरुवार को फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होनी थी, मगर अब दर्शक इसे सितंबर में देख पाएंगे।

### कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का नया मोशन पोस्टर सामने आया है। इसमें सस्पेंस और थ्रिल दोनों हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर योद्धा बाघ और नंदी के बीच खड़ा है। वह निडर होकर सामना कर रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'बाघ उसकी दहाड़ है...नंदी उसकी शक्ति। और वन...उसकी कहानी'। यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

### 'टॉक्सिक' और 'ईठा' से क्लैश से बची 'द वन'

बता दें कि फिल्म 'द वन' पहले 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर, इसके साथ दो चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली थीं। एक तरफ श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'ईठा' 28 अगस्त को रिलीज हो रही है। वहीं, यश की फिल्म 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज हो रही है। इनसे 'द वन' का क्लैश होना तय था। फिलहाल, ऐसा नहीं होगा।

### जंगलों में हुई है फिल्म की शूटिंग

समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में मेकर्स ने कहा, 'द वन' के जरिए दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिलेगा। इसमें बड़े पैमाने शानदार विजुअल इफेक्ट्स शामिल हैं। इसका मकसद ऐसी भारतीय कहानियों को सामने लाना भी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को पसंद आती हैं'। मेकर्स की तरफ से यह भी बताया गया कि फिल्म मध्य भारत के घने जंगलों पर आधारित है और इसे प्राचीन कथाओं, छिपे हुए मंदिरों और रोमांच का मिश्रण बताया। इसकी शूटिंग असली जंगलों में की गई है।

# मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास

## सामंथा ने जताई खुशी

**सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को लेकर काफी खुश हैं। इस फिल्म ने ग्लोबली 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे लेकर वह उत्साहित हैं।**

साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' 19 जून को रिलीज हुई। महिला प्रधान इस फिल्म ने साउथ में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता से सामंथा खुश हैं। सामंथा ने 'मां इंटी बंगारम' के 100 करोड़ रुपये कमाने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती हैं? तो सामंथा हां में जवाब देती हैं। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती हैं, तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती हैं। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई सामंथा कहती हैं, 'हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।'

### फिल्म को लेकर क्या सोचती थीं सामंथा

वीडियो शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा ' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है?

### हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा?

उन्होंने आगे लिखा 'मेरे एक दोस्त ने 'बी' सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया। उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं।' मेरे दोस्त ने पूछा, 'आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी?' एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, 'कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म? कौन देखने आएगा? कोई नहीं।' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी।'

### बड़ी चीज की शुरुआत

सामंथा ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो। ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है।'

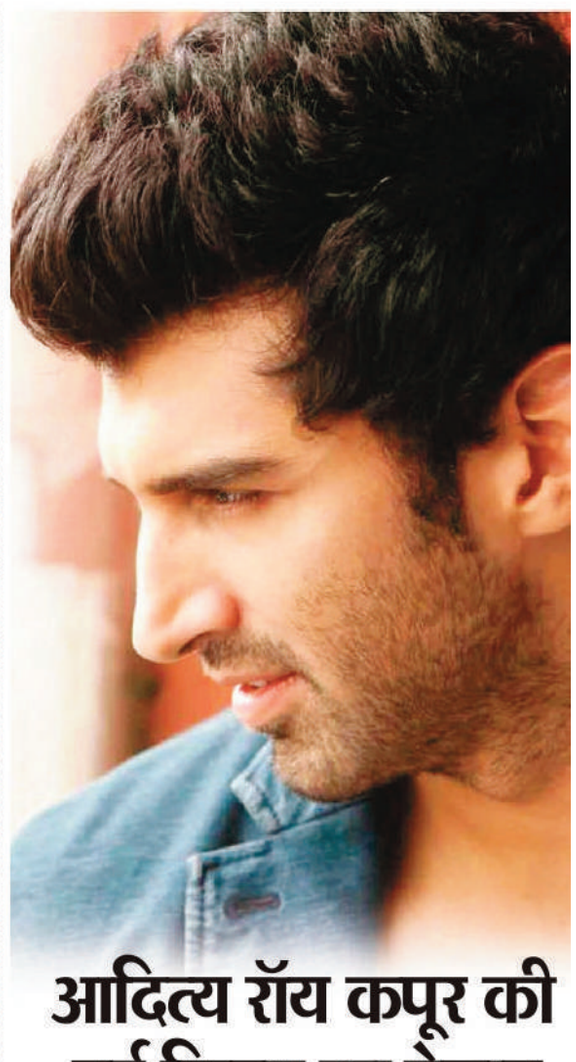

## आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ' 'आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।''

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, 'इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, '2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।'

**'हेरा फेरी 3' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा**

# वेलकम टू द जंगल के बाद कुछ जादुई होगा

सुनील शेट्टी अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, परेश रावल और रवीना टंडन जैसे 90 के दशक के को-स्टार्स के साथ नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसकी कामयाबी के बाद, एक्टर का मानना है कि यह बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्मों के लिए एक नया रास्ता खोलती है। किसी भी फिल्म की सफलता पूरी इंडस्ट्री की सफलता होती है, खासकर ऐसे समय में जब हम भूल गए हैं कि फैमिली एंटरटेनमेंट का क्या मतलब है। फिरोज नाडियाडवाला की सोच वैसी ही है जैसी डिज्नी की है। यही 'वेलकम टू द जंगल' की सफलता का कारण है। मैं खुश और उत्साहित हूं और उम्मीद करता हूं कि ऐसी और भी फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में बनेंगी।'

### दर्शकों के दिलों में जगह बनती है

अपने पुराने को-स्टार्स के साथ फिर से काम करने पर सुनील कहते हैं 'फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि इतने सारे मशहूर एक्टर्स के होने के बावजूद, आप अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। यह सफलता उतनी ही अक्षय की है जितनी रवीना, परेश भाई, जॉनी, मेरी या किसी भी दूसरे एक्टर की। ऐसी फिल्में आपको दर्शकों के दिलों में दोबारा जगह बनाने का मौका देती हैं।'

### 'हेरा फेरी' पर क्या बोले सुनील शेट्टी

'वेलकम टू द जंगल' में सुनील ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार्स के साथ काम किया मगर हाल ही में खबर आई कि प्रियदर्शन इस फिल्म के तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं। फिल्म अभी अधर में लटकी हुई है। सुनील से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा 'हेरा फेरी मेरे करियर की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इससे जुड़ी पुरानी यादें बहुत सुखद हैं। इस पर लगातार बनते मीम्स और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, कौन नहीं चाहेगा कि ऐसा हो? उम्मीद है कि 'वेलकम टू द जंगल' के बाद कुछ जादुई होगा।'

# आकांक्षा ने अपने करीबी दोस्तों के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात की

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।' गौरतलब है कि 'लॉक अपः सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अपः सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

## शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

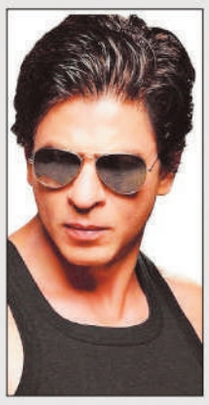

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।